NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 321 लखनऊ, रविवार 19 जुलाई 2026 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

पीएम मोदी के साथ मंच पर दिखे मनीष तिवारी आलोचकों को जवाब- विकास दलगत राजनीतिक से ऊपर

एजेंसी।

दिल्ली। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मंच साझा करने पर हो रही आलोचना का जवाब देते हुए कहा कि वह हमेशा विकास की जरूरतों को पार्टी की राजनीति से ऊपर रखते हैं। उन्होंने 45 साल के राजनीतिक सफर में सार्वजनिक विमर्श के स्तर में गिरावट पर चिंता जताते हुए जनसेवा को कड़वे मतभेदों से ऊपर रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सीनियर कांग्रेस नेता और सांसद मनीष तिवारी ने 18 जुलाई को सरकारी कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी मौजूदगी को लेकर हो रही आलोचना का जवाब दिया। श्ग्श पर इस मुद्दे पर बात करते हुए तिवारी ने कहा कि मैंने हमेशा विकास की जरूरतों को पार्टी की राजनीति से ऊपर रखने की कोशिश की है... मैं ऐसा ही हूँ, चाहे कोई कुछ भी सोचे! ये टिप्पणियां 17 जुलाई को तिवारी के एक हाई–प्रोफाइल कार्यक्रम में शामिल होने के बाद आईं, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने चंडीगढ़ और तिवारी के पूर्व निर्वाचन क्षेत्र श्री आनंदपुर साहिब में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया था। तिवारी ने 24 अगस्त, 2022 की एक घटना का जिक्र किया, जब उन्होंने पार्टी के मतभेदों से ऊपर उठकर इलाके की तरक्की को प्राथमिकता दी थी। उन्होंने न्यू चंडीगढ़ में होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल और रिसर्च सेंटर के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया थाकृएक ऐसी सुविधा जिसे उन्होंने इस इलाके के हजारों कैंसर मरीजों के लिए एक अहम जीवन–रेखा बताया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि मैंने हमेशा विकास की जरूरतों को पार्टी की राजनीति से ऊपर रखने की कोशिश की है।अपने 45 साल के राजनीतिक सफर पर बात करते हुए, तिवारी ने सार्वजनिक बातचीत के स्तर में आई गिरावट पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि एक राजनीतिक कार्यकर्ता के तौर पर पिछले 45 सालों में मैंने देखा

है कि हमारी राजनीति किस तरह व्यवस्थित रूप से बिखर रही है। उन्होंने आगे कहा कि यह राजनीति ष्लगातार जहरीली और नुकसानदेह होती जा रही है, जहाँ राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को अब जानलेवा दुश्मन माना जाता है। उन्होंने दिल्ली के राजनीतिक माहौल की आलोचना करते हुए कहा कि आज दिल्ली इस बिगड़ी हुई राजनीति का जीता–जागता उदाहरण है। इसके बावजूद, तिवारी ने कहा कि वह आज भी पुराने ख्यालों वाले हैं और बुनियादी शिष्टाचार, प्रोटोकॉल और इस विश्वास को मानते हैं कि जनसेवा को अंततः कड़वे राजनीतिक मतभेदों से ऊपर होना चाहिए। 17 जुलाई को चंडीगढ़ में हुए कार्यक्रम के बाद, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने 4,700 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, तिवारी को मंच पर प्रधानमंत्री से थोड़ी देर बातचीत करते देखा गया।

बुलंद शहर से सीएम योगी की हुंकार न कर्फ्यू, न दंगा, अब यूपी में सब चंगा

संवाददाता।

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुलंदशहर में कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में हर जिले में दंगे और माफिया का राज था, लेकिन अब प्रदेश में न कर्फ्यू है और न दंगा, सब चंगा है। उन्होंने पिछली सरकारों पर कानून–व्यवस्था बिगाड़ने का आरोप लगाते हुए वर्तमान में सुशासन और सुरक्षा का दावा किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गुलामी की मानसिकता को छोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सच्ची देशभक्ति सिर्फ अधिकारों के लिए नारे लगाने में नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों को पूरा करने में है। बुलंदशहर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोग अक्सर अपने अधिकारों की मांग तो करते हैं, लेकिन ऐसी मांगें कभी भी देश, समाज या संस्थानों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। उनके अनुसार, एक अनुशासित शिक्षक जो समय पर शिक्षा पूरी करने के साथ–साथ अच्छे संस्कार भी देता है, वह नारों की तुलना में देश की कहीं अधिक सेवा करता है।सशस्त्र बलों का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को सबसे ऊपर रखना ही एक सैनिक की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश के हितों के

खिलाफ कोई भी कदम मंजूर नहीं है और कहा कि निस्वार्थ सेवा और त्याग की भावना ही भारत की सुरक्षा की रक्षा करती है और देश को मजबूत बनाती है। योगी ने हुंकार भरते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में हर जिले में दंगा होता था, हर थाने में माफिया था, हर जिले में सिंडिकेट था, जो युवाओं के रोजगार को प्रभावित करता था। 2007 से 2017 तक प्रदेश की शुगर मिलों को बेचा गया। अब ऐसा नहीं है। आज प्रदेश में ना कर्फ्यू है ना दंगा है, अब सब चंगा है। मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले के हालात की तुलना मौजूदा हालात से भी की। उन्होंने दावा किया कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में कोई भी जिला ऐसा नहीं था जो दंगों से मुक्त हो। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बेटियों और महिलाएं, खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, सुरक्षित नहीं थीं। योगी के मुताबिक, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई परिवारों को अपनी बेटियों को दूर के रिश्तेदारों के यहां रहने के लिए भेजना पड़ता था ताकि वे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। उन्होंने आगे दावा किया कि व्यापारी घर से निकलते समय यह सोचते थे कि क्या वे शाम तक अपने परिवारों के पास सुरक्षित लौट पाएंगे। योगी ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में हर जिले में माफिया का बोलबाला था और हर थाने में माफिया का कोई न कोई गुर्गा रंगदारी वसूलता था। उन्होंने दावा किया कि हर जिले में माफिया एक समानांतर सरकार की तरह काम करता था। हालात बदलने का दावा करते हुए योगी ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में कोई कर्फ्यू, दंगे या कानून–व्यवस्था की समस्या नहीं है।

सब्र की परीक्षा न लें वरना...सोनम वांगचुक के सपोर्ट में उतरे अन्ना हजार

एजेंसी।

दिल्ली। शनिवार (18 जुलाई) को दिल्ली के जंतर–मंतर पर उनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का 21वां दिन है। हजारे की यह अपील दिल्ली में लोकपाल कानून की मांग को लेकर की गई उनकी उस भूख हड़ताल के कई साल बाद आई है, जिसने 2011 में UPA सरकार को हिलाकर रख दिया था। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने शनिवार को केंद्र सरकार से शिक्षाविद सोनम वांगचुक के साथ बातचीत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वांगचुक की मांगों पर चर्चा होनी चाहिए, जिन्हें दिल्ली पुलिस इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। हजारे ने कहा सरकार को उनकी सहनशक्ति की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। (उनकी मांगों पर) हां या ना कहें, लेकिन बातचीत करने में क्या बुराई है? वांगचुक NEET पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। शनिवार (18 जुलाई) को

दिल्ली के जंतर–मंतर पर उनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का 21वां दिन है। हजारे की यह अपील दिल्ली में लोकपाल कानून की मांग को लेकर की गई उनकी उस भूख हड़ताल के कई साल बाद आई है, जिसने 2011 में UPA सरकार को हिलाकर रख दिया था। पुलिस का कहना है कि वांगचुक की सेहत की निगरानी के लिए दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के तहत उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जबकि CJP के अभिजीत दिपक का दावा है कि क्लाइमेट एक्टिविस्ट को जबरदस्ती ले जाया गया। कुछ छात्रों ने यह भी दावा किया कि विरोध स्थल पर उन पर लाठीचार्ज किया गया। जंतर–मंतर पर श्भ्रच के प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मी वहां पहुंचे और खुद को मेडिकल टीम बताया। ANI की रिपोर्ट के मुताबिक, एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि उन्होंने वॉलंटियर्स को एक तरफ हटने का आदेश दिया। कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाते समय दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों का गलत मतलब निकाला और उनकी हिरासत को अदालत की अवमानना करार दिया। दिल्ली हाई कोर्ट ने निर्देश दिया था कि सोनम वांगचुक की सेहत पर नजर रखी जाए और कोई भी कदम तभी उठाया जाए जब उनकी सेहत बिगड़े। हमारी मेडिकल टीम दिन में 2–3 बार उनकी सेहत की जांच करती है और वह खुद भी रोजाना वीडियो पोस्ट करके अपनी सेहत के बारे में जानकारी देते हैं, जो स्थिर रही है।

सचिन पायलट का बड़ा दावा राजस्थान सरकार सरकार हर मोर्चे पर विफल

एजेंसी।

दिल्ली। सचिन पायलट ने राजस्थान सरकार पर विश्वविद्यालयों में मराठी अध्ययन केंद्र स्थापित कर शिक्षा के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया है, जबकि उनका कहना है कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने शिक्षा मंत्री की कार्यप्रणाली की निंदा करते हुए कहा कि बदले की भावना से तबादले किए जा रहे हैं। राज्यपाल के निर्देश पर शुरू हुई यह पहल अब राज्य की शिक्षा प्राथमिकताओं को लेकर एक बड़ा राजनीतिक विवाद बन गई है।AICC के महासचिव सचिन पायलट ने शनिवार को राजस्थान सरकार की आलोचना की। उन्होंने राज्य के विश्वविद्यालयों में मराठी भाषा अध्ययन केंद्र खोलने के प्रस्ताव पर सवाल उठाए और कहा कि इस कदम से शिक्षा क्षेत्र के अहम मुद्दों से ध्यान भटकता है। जयपुर में पत्रकारों से बात करते हुए, पायलट ने राज्य सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए और शिक्षा मंत्री के कामकाज की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राजस्थान में शिक्षा मंत्री का रवैया कैसा रहा है? वे तबादलों और पोस्टिंग में बदले की भावना से काम कर रहे हैं। वे लोगों को निशाना बना रहे हैं और उन्हें जिले से बाहर भेज रहे हैं।उन्होंने आगे कहा कि सरकार बेहतर शिक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार के मुद्दे से हटकर एक अलग मुद्दा उठा रही है। इस मुद्दे में कोई दम नहीं है। हम बच्चों के लिए शिक्षा चाहते हैं। सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कानून व्यवस्था में पूरी तरह विफल रही है। राज्यपाल और कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे के निर्देशानुसार राजस्थान के

विश्वविद्यालयों में 'शास्त्रीय मराठी भाषा अध्ययन केंद्र' स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू होने के बाद ये टिप्पणियां की गईं। राज्यपाल सचिवालय ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को इन अध्ययन केंद्रों की स्थापना के संबंध में पत्र भेजा है। जून में, महाराष्ट्र के शिक्षा मंत्री दादा भूसे ने घोषणा की थी कि राज्य के सभी स्कूलों में कक्षा 1 से 10 तक मराठी अनिवार्य भाषा होगी। उन्होंने निर्देश का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी और कहा कि सरकार मराठी और छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 4.40 करोड़ की लागत से चदेरी में दो विद्युत उपकेंद्रों का किया लोकार्पण

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मात्र चार माह पूर्व इस उपकेंद्र का भूमिपूजन किया गया था और आज जहां खाली भूमि थी, वहां आधुनिक विद्युत उपकेंद्र खड़ा है। उन्होंने कहा कि यह तेज गति से विकास कार्यों को पूरा करने की सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। चंदेरी। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा स्थानीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज चंदेरी क्षेत्र में 2.40 करोड़ की लागत से निर्मित पथखेड़ा तथा 2 करोड़ की लागत से निर्मित मड़ी–महीदपुर विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बिजली, सिंचाई और सड़क जैसी आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण ही ग्रामीण विकास और किसानों की समृद्धि का आधार है।लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मात्र चार माह पूर्व इस उपकेंद्र का भूमिपूजन किया गया था और आज जहां खाली भूमि थी, वहां आधुनिक विद्युत उपकेंद्र खड़ा है। उन्होंने कहा कि यह तेज गति से विकास कार्यों को पूरा करने की सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सिंधिया ने कहा, "मैं देश के किसी भी कोने में रहूं, अशोकनगर का झंडा हमेशा मेरे साथ रहेगा। क्षेत्र के विकास

के लिए मेरा संकल्प हमेशा सर्वोपरि रहेगा।"अन्नदाता की समृद्धि ही विकास का आधारमड़ी–महीदपुर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए किसानों से प्राकृतिक कृषि अपनाने का संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह केवल विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण नहीं, बल्कि किसानों के लिए समृद्धि का नया अध्याय है। उन्होंने कहा कि वे इंद्र देव का आशीर्वाद भी साथ लेकर आए हैं ताकि क्षेत्र में भरपूर वर्षा हो और किसानों की मेहनत सफल हो।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 550 करोड़ की चंदेरी सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के माध्यम से 121 गांवों की लगभग 28,000 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी तथा इसके लिए आधुनिक पंप हाउस भी विकसित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि एक समय चंदेरी और मुंगावली क्षेत्र में केवल एक–दो विद्युत उपकेंद्र हुआ करते थे, जबकि आज लगभग 15 विद्युत उपकेंद्र स्थापित होकर क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि विकास का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और कहा, "जान जाए, वचन न जाए", जनता से किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का बड़ा दावा राम मंदिर अभी अधूरा, बीजेपी-आरएसएस का दफ्तर

लखनऊ। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने राम मंदिर प्रबंधन और ट्रस्ट पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसमें ट्रस्ट सदस्यों द्वारा राम में अविश्वास और मंदिर को भाजपा–संघ कार्यालय की तरह संचालित करने की बात शामिल है। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा में संतों को गर्भगृह में प्रवेश न मिलने और कानूनी विवाद वाली मूल राम लल्ला की प्रतिमा को भंडारगृह में रखने पर गहरी चिंता व्यक्त की। अपनी 'गविष्टि' यात्रा (गो–संरक्षण अभियान) के दौरान, शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और राम मंदिर के प्रबंधन की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि RSS के सदस्य भगवान राम में विश्वास नहीं करते और मंदिर BJP और RSS के दफ्तर की तरह ज्यादा काम करता है। उन्होंने दावा किया कि ट्रस्ट के सदस्य भगवान राम को भगवान नहीं मानते और उन पर राम जन्मभूमि पर कब्जा करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा, RSS में जो लोग भगवान राम की तस्वीर

तक नहीं लगा सकते, वे ही अब यहाँ राम से जुड़ी हर चीज के बारे में फैसले ले रहे हैं। गोविंद गिरि से बात करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि अगर आप अपने गुरु के सच्चे शिष्य या अपने माता–पिता की सच्ची संतान हैं, तो हमें बताएं कि जब राम मंदिर का मामला लड़ा जा रहा था, तब आप कहां थे और कहां गायब हो गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि वह गोविंद गिरि को कानूनी नोटिस भेजने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने राम मंदिर के गर्भगृह में जाने को लेकर चिंता जताई और कहा कि अंदर सिर्फ VVIPs को जाने की इजाजत थी, जबकि अयोध्या के संतों को अंदर नहीं जाने दिया गया। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए पांच हजार संतों को बुलाया गया था, लेकिन किसी भी संत को गर्भगृह के अंदर जाने की इजाजत नहीं दी गई। उन्होंने सनातन धर्म के मानने वालों से इस मुद्दे पर चुप न रहने की अपील की। शंकराचार्य ने आगे आरोप लगाया कि राम मंदिर में स्थापित प्रतिमा वह नहीं है जो कानूनी विवाद में शामिल है। उन्होंने दावा किया, "राम लल्ला की वह प्रतिमा जिसने बारिश, कठिनाइयों और हर तरह की चुनौतियों का सामना किया, अब भंडारगृह में रखी है।" मंदिर जाने की इच्छा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि मैं राम मंदिर अवश्य जाऊंगाय यह मेरी दिली इच्छा है। लेकिन मैं मंदिर के पूरा होने के दिन ही जाऊंगा। अभी राम मंदिर का निर्माण नहीं हुआ है, फिलहाल वहां भाजपा और आरएसएस का कार्यालय है।

गोरखपुर में जलभराव को लेकर अखिलेश यादव का सरकार पर हमला, बोले- 'स्मार्ट सिटी' के नाम पर खर्च हुए अरबों रुपये का हिसाब दे भाजपा

लखनऊ, (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गोरखपुर में जलभराव की समस्या को लेकर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट सिटी परियोजना के नाम पर अरबों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद शहर की स्थिति बदहाल है और आम जनता जलभराव से परेशान है।जारी बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि गोरखपुर की जनता अपने विधायक एवं मुख्यमंत्री से पूछ रही है कि स्मार्ट सिटी के नाम पर जिस बड़े बजट का उपयोग कागजों में दिखाया गया, उसका वास्तविक लाभ आखिर शहर को क्यों नहीं मिला। उन्होंने कहा कि सरकार को इस धन के उपयोग का सार्वजनिक हिसाब देना चाहिए।उन्होंने कहा कि जो लोग शासन और प्रशासन के नाम पर दूसरों को दोषी ठहराते रहे, वे अब अपने ही क्षेत्र की समस्याओं पर मौन हैं। उनका आरोप था कि सरकार को अपने ही शहर की वास्तविक स्थिति दिखाई नहीं दे रही है, जबकि जलभराव से आम लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।अखिलेश यादव ने मांग की कि जलभराव से प्रभावित लोगों के लिए तत्काल भोजन, पेयजल, दवाइयों, दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं और अस्थायी आश्रय की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों और व्यापारियों को जलभराव के कारण आर्थिक नुकसान हुआ है, उन्हें बिना किसी भेदभाव के पारदर्शी तरीके से मुआवजा दिया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मंदी से पहले ही जूझ रहे छोटे व्यापारियों के लिए जलभराव से हुआ नुकसान अतिरिक्त संकट बन गया है। ऐसे में सरकार का दायित्व है कि प्रभावित व्यापारियों की क्षति का आकलन कर उन्हें शीघ्र राहत प्रदान करे।सपा प्रमुख ने यह भी मांग की कि जलभराव के बाद संक्रामक बीमारियों की आशंका को देखते हुए व्यापक सफाई अभियान चलाया जाए तथा स्वास्थ्य विभाग को सतर्क रखते हुए आवश्यक दवाइयों और चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।अखिलेश यादव ने सरकार पर व्यंग्य करते हुए कहा कि यदि हालात नहीं सुधरे तो गोरखपुर को 'स्मार्ट सिटी' के बजाय 'जलनगरी' कहना अधिक उपयुक्त होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर के विकास के दावों और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर है तथा जनता अब इसका जवाब मांग रही है।

हर निषाद बाहुल्य गांव में बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी- मंत्री संजय निषाद

निषाद पार्टी ने समाज को नई राजनीतिक पहचान दिलाई

प्रयागराज। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कहा कि निषाद बाहुल्य गांवों में डिजिटल लाइब्रेरी, प्रशिक्षण केंद्र, मैरिज हॉल और अन्य सामुदायिक सुविधाएं विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज के उत्थान का सबसे बड़ा माध्यम है, इसलिए गरीब बच्चों को गांव में ही पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। श्री निषाद प्रेसवार्ता में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी ने समाज को नई राजनीतिक पहचान दिलाई है और आज पार्टी के विधायक, जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी सरकार में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. निषाद ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि मजबूत संगठन ही समाज को राजनीतिक भागीदारी, रोजगार और अधिकार दिला सकता है। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा–निषाद पार्टी गठबंधन की ऐतिहासिक जीत का दावा करते हुए कार्यकर्ताओं से गांव–गांव तक पार्टी का संदेश पहुंचाने की अपील की।डॉ. संजय निषाद ने कहा कि निषाद समाज में उनकी स्वीकार्यता किसी व्यक्ति विशेष के दावे से नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष और कार्यों के आधार पर बनी है। उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी ने समाज को राजनीतिक पहचान दिलाई और भाजपा के साथ गठबंधन के जरिए निषाद समाज की भागीदारी बढ़ाई।हाल ही में दिए गए एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि समाज का नेतृत्व केवल दावा करने से नहीं, बल्कि आंदोलन, जेल यात्रा, संगठन निर्माण और समाज के हित में किए गए कार्यों से तय होता है। उन्होंने दावा किया कि निषाद पार्टी बनने के बाद समाज की राजनीतिक ताकत बढ़ी और आज पार्टी के विधायक व जनप्रतिनिधि सरकार में प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं।डॉ. निषाद ने आरोप लगाया कि कुछ लोग व्यक्तिगत स्वार्थ के कारण समाज को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन निषाद समाज अब जागरूक है और काम करने वालों के साथ खड़ा है।

उत्तर प्रदेश में बुनियादी शिक्षा को नई दिशा, बालवाटिका से कक्षा 5 तक विस्तारित होगा निपुण भारत मिशन

लखनऊ, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने बुनियादी शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण, परिणामोन्मुख और दक्षता आधारित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप निपुण भारत मिशन के विस्तारीकरण और लक्ष्य निर्धारण की व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके तहत अब मिशन को बालवाटिका से कक्षा 5 तक प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा और प्रत्येक कक्षा के लिए स्पष्ट अधिगम लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे।नई कार्ययोजना के अनुसार बच्चों के सीखने के स्तर का नियमित आकलन किया जाएगा। साथ ही शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने, अधिगम में कमी की पहचान करने और सुधारात्मक शिक्षण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा, ताकि प्रत्येक छात्र निर्धारित शैक्षणिक दक्षताओं को प्राप्त कर सके।बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदेश की बुनियादी शिक्षा को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की भावना के अनुरूप मिशन का विस्तार बालवाटिका से कक्षा 5 तक किया जा रहा है, जिससे बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा की मजबूत नींव तैयार होगी।उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा निर्धारित अधिगम लक्ष्यों से पीछे न रह जाए। इसके लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा और निर्धारित मूल्यांकन मानकों के अनुरूप कक्षावार अधिगम लक्ष्य तय किए जाएंगे। शिक्षकों के क्षमता संवर्धन, सतत मूल्यांकन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था के माध्यम से प्रदेश में सीखने के परिणामों में व्यापक सुधार लाने का लक्ष्य रखा गया है।अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि बालवाटिका से कक्षा 5 तक सीखने की सतत शृंखला विकसित कर प्रत्येक बच्चे को उसकी आयु और कक्षा के अनुरूप आवश्यक ज्ञान, कौशल और दक्षताओं से सशक्त बनाया जाएगा।कार्ययोजना के तहत कक्षा 3 से 5 तक हिंदी, अंग्रेजी, गणित और पर्यावरण अध्ययन के लिए विषयवार तथा कक्षावार अधिगम लक्ष्य विकसित किए जाएंगे। इन्हें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की पाठ्यपुस्तकों तथा निर्धारित मूल्यांकन मानकों के अनुरूप तैयार किया जाएगा। इसके लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों, विषय विशेषज्ञों और शिक्षकों के सहयोग से दक्षताओं का निर्धारण किया जाएगा।नई व्यवस्था में केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने पर नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे के वास्तविक सीखने के स्तर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। विद्यालयों में नियमित मूल्यांकन और सतत आकलन के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रगति की निगरानी होगी। जिन बच्चों में अधिगम संबंधी कमी पाई जाएगी, उनके लिए विशेष सुधारात्मक शिक्षण और अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।शिक्षकों को गतिविधि आधारित शिक्षण, दक्षता आधारित शिक्षा, शिक्षण–अधिगम सामग्री के प्रभावी उपयोग तथा डिजिटल संसाधनों और दीक्षा मंच के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा। बालवाटिका स्तर पर विद्यालय के लिए बच्चों की तैयारी, पुस्तकालयों के बेहतर उपयोग, पढ़ने की संस्कृति विकसित करने तथा अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी पर भी विशेष बल दिया जाएगा।सरकार ने राज्य, जिला, विकासखंड और विद्यालय स्तर पर नियमित निगरानी एवं समीक्षा की व्यवस्था विकसित करने का भी निर्णय लिया है। सरकार का मानना है कि निपुण भारत मिशन का यह विस्तारित स्वरूप उत्तर प्रदेश की बुनियादी शिक्षा को नई दिशा देगा और सीखने के परिणामों में ऐतिहासिक सुधार लाने के साथ प्रदेश को देश के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित करेगा।

करोड़ों की कोठी की रजिस्ट्री में लाखों की स्टाम्प चोरी

प्रयागराज। प्रयागराज में करोड़ों रुपए की एक कोठी की रजिस्ट्री में लाखों रुपए की स्टाम्प शुल्क चोरी का मामला सामने आया है। जांच के बाद जिलाधिकारी ने खरीदार पर 20 लाख रुपये से अधिक की वसूली, जुर्माना और ब्याज लगाने का आदेश दिया है। जांच में पता चला कि 3.62 करोड़ रुपए में दर्ज की गई कोठी का वास्तविक मूल्य करीब 5.23 करोड़ रुपए था। इसी वजह से 18.54 लाख रुपए का स्टाम्प शुल्क और 1.61 लाख रुपए का पंजीकरण शुल्क कम जमा किया गया।

नोटिस के बावजूद खरीदार सुनवाई में पेश नहीं हुआ, जिसके बाद उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर फैसला सुनाया गया। आदेश के मुताबिक 15 दिन में राशि जमा नहीं करने पर भू–राजस्व की तरह वसूली की जाएगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मामला म्योर रोड स्थित पुराने बंगला नंबर 20 (नया नंबर 38) का है। 20 फरवरी 2021 को यह कोठी 3.62 करोड़ रुपए में बेची गई थी। रजिस्ट्री के समय उसी आधार पर स्टाम्प शुल्क जमा कराया गया था। कुछ स्थानीय लोगों ने शिकायत की थी कि संपत्ति का मूल्य कम दिखाकर स्टाम्प शुल्क बचाया गया है। इसके बाद सहायक महानिरीक्षक निबंधन ने मौके पर जाकर जांच की। जांच में पता चला कि इसी परिसर के एक हिस्से की दूसरी रजिस्ट्री ज्यादा दर पर हुई थी। इससे लगा कि पूरी संपत्ति का मूल्य भी अधिक होना चाहिए था।

जांच के बाद अधिकारियों ने जमीन, बने हुए मकान, बाउंड्रीवाल और गेट सहित पूरी संपत्ति का मूल्य करीब 5.23 करोड़ रुपए माना। इस हिसाब से स्टाम्प शुल्क और पंजीकरण शुल्क पहले जमा की गई राशि से काफी ज्यादा बनता था।जांच में पाया गया कि रजिस्ट्री के समय 18.54 लाख रुपए का स्टाम्प शुल्क और 1.61 लाख रुपए का पंजीकरण शुल्क कम जमा किया गया था। इसी आधार पर मामला जिलाधिकारी के सामने भेजा गया। जिलाधिकारी के आदेश के अनुसार खरीदार को नोटिस भेजा गया था, लेकिन उन्होंने न तो कोई जवाब दिया और न ही सुनवाई में उपस्थित हुए। इसके बाद उपलब्ध रिकॉर्ड और जांच रिपोर्ट के आधार पर फैसला सुनाया गया। जिलाधिकारी ने खरीदार को 18.54 लाख रुपए का अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क, 1.61 लाख रुपए का पंजीकरण शुल्क, 50 हजार रुपए का जुर्माना और फरवरी 2021 से भुगतान की तारीख तक 1.5 प्रतिशत प्रतिमाह की दर से ब्याज जमा करने का आदेश दिया है।

पंत छात्रावास खाली कराने पहुंचा इविवि प्रशासन

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने पंत छात्रावास को खाली कराने का निर्णय लिया है। यहां अकादमिक पढ़ाई के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने वाले छात्र भी रहते हैं। समाज कल्याण विभाग की ओर से चलने वाले इस छात्रावास में छात्राओं को रहकर तैयारी करने का अवसर दिया जाता है। कई वर्ष से यहां छात्र जमे है, हालांकि सभी अंतरूवासी खुद को नियमित अंतरूवासी बता रहे हैं।अंतरूवासियों ने लगाया आरोप पंत छात्रावास के अंतेवासियों का आरोप है कि इविवि प्रशासन सभी छात्रों को बाहर कर हॉस्टल को बंद करना चाहता है। दूसरी तरफ विश्वविद्यालय प्रशासन और विभाग का कहना है कि छात्रावास को मरम्मतीकरण के लिए खाली कराया जा रहा है। छात्रावास में कई थानों की पुलिस मौजूद है। एसीपी छात्रों से वार्ता कर समझाने का प्रयास कर रहे हैं। इस प्रकरण में छात्रों का कहना है कि प्रॉक्टर से उनकी बात कराई जाए और स्थिति को स्पस्ट करें। नए सत्र में नए प्रवेश की प्रक्रिया शुरू करने का भी आश्वासन दिया जाए। दोनों पक्षों में बातचीत की प्रक्रिया जारी है।

योगी सरकार का बड़ा शिक्षा सुधार बालवाटिका से कक्षा 5 तक लागू होगा विस्तारित निपुण भारत मिशन, तय होंगे कक्षावार अधिगम लक्ष्य

लखनऊ, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने बुनियादी शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण, परिणामोन्मुख और दक्षता आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप निपुण भारत मिशन के विस्तारीकरण और लक्ष्य निर्धारण के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। इसके तहत अब मिशन को बालवाटिका से लेकर कक्षा 5 तक प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा और प्रत्येक कक्षा के लिए स्पष्ट अधिगम लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे।नई कार्ययोजना का उद्देश्य बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाते हुए उन्हें उनकी आयु और कक्षा के अनुरूप आवश्यक ज्ञान, कौशल और दक्षताओं से सशक्त करना है। इसके साथ ही सीखने के स्तर का नियमित आकलन, शिक्षकों का क्षमता संवर्धन, अधिगम में कमी की पहचान तथा सुधारात्मक शिक्षण व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा।बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बुनियादी शिक्षा को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की भावना के अनुरूप निपुण भारत मिशन का विस्तार बालवाटिका से कक्षा 5 तक किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक बच्चे की शैक्षणिक नींव मजबूत हो और कोई भी विद्यार्थी निर्धारित अधिगम लक्ष्यों से पीछे न रहे।उन्होंने बताया कि इसके लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा और निर्धारित शैक्षणिक मानकों के अनुरूप कक्षावार अधिगम लक्ष्य तय किए जाएंगे। साथ ही शिक्षकों के प्रशिक्षण, सतत मूल्यांकन और सीखने के स्तर में सुधार के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। उनका कहना है कि सरकारी विद्यालयों को आधुनिक संसाधनों, प्रशिक्षित शिक्षकों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पद्धतियों से सशक्त बनाया जा रहा है, जिससे प्रदेश के शिक्षा परिणामों में उल्लेखनीय सुधार होगा।इस संबंध में अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि बालवाटिका से कक्षा 5 तक सीखने की सतत शृंखला विकसित कर प्रत्येक बच्चे के समग्र शैक्षणिक विकास को सुनिश्चित किया जाएगा।कार्ययोजना के अनुसार कक्षा 3 से 5 तक हिंदी, अंग्रेजी, गणित और पर्यावरण अध्ययन विषयों के लिए कक्षावार तथा विषयवार अधिगम लक्ष्य विकसित किए जाएंगे। इन्हें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की पाठ्यपुस्तकों तथा निर्धारित मूल्यांकन मानकों के अनुरूप तैयार किया जाएगा। इसके लिए विशेषज्ञों, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों तथा शिक्षकों के सहयोग से दक्षताओं का निर्धारण किया जाएगा।नई व्यवस्था में केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने के बजाय प्रत्येक बच्चे के वास्तविक सीखने के स्तर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। विद्यालयों में नियमित मूल्यांकन और सतत आकलन के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रगति की समीक्षा होगी। जिन बच्चों में अधिगम संबंधी कमी पाई जाएगी, उनके लिए विशेष सुधारात्मक शिक्षण और अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।शिक्षकों को गतिविधि आधारित शिक्षण, दक्षता आधारित शिक्षा, शिक्षण सामग्री के प्रभावी उपयोग तथा डिजिटल माध्यमों के जरिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। बालवाटिका स्तर पर विद्यालय के लिए बच्चों की तैयारी, पुस्तकालयों के प्रभावी उपयोग, पढ़ने की संस्कृति विकसित करने और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी पर भी विशेष बल दिया जाएगा।सरकार ने मिशन के प्रभावी संचालन के लिए राज्य, जिला, विकासखंड और विद्यालय स्तर पर नियमित निगरानी एवं समीक्षा की व्यवस्था भी विकसित करने का निर्णय लिया है।

बोर्ड परीक्षा के पैटर्न और बेहतर तैयारी पर हुई चर्चा

बेथनी कॉन्वेंट स्कूल, नैनी में कक्षा 9वीं–10वीं की पीपीटीएम आयोजित

प्रयागराज। बेथनी कॉन्वेंट स्कूल में आज कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों के लिए पैरेंट्स–टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर डॉ. अनीता मोरास के मार्गदर्शन में आयोजित इस बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया। बैठक में विशेष रूप से बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को परीक्षा के पैटर्न, प्रश्नपत्र की संरचना, अंक योजना तथा परीक्षा की प्रभावी तैयारी के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि बोर्ड परीक्षा की तैयारी किस प्रकार योजनाबद्ध तरीके से की जाए और परीक्षा के दौरान समय प्रबंधन, उत्तर लेखन तथा नियमित अभ्यास पर किस तरह विशेष ध्यान दिया जाए।प्राचार्या सिस्टर डॉ. अनीता मोरास ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा की तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। बैठक के दौरान अभिभावकों ने शिक्षकों से अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, उपस्थिति, अनुशासन एवं बोर्ड परीक्षा की तैयारियों के संबंध में व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। विद्यालय की इस पहल की अभिभावकों ने सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की बैठक से विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होता है तथा बच्चों को बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए सही दिशा और मार्गदर्शन मिलता है।

शुमैला नकवी ने लिखी झंझावातों से भरी जिंदगी को रास्ता दिखाने वाली किताब- शाहिद नकवी

प्रयागराज। मंडल के प्रतापगढ़ जिले के कुंडा में पढ़ी बढ़ी शुमैला फातिमा नकवी ने इंसान की लाइफ साइकोलॉजी पर एक विस्तृत किताब लिखी है। जो अनावश्यक रूप से परेशान लोगों को उबरने में सहायक सिद्ध हो सकती है। झंझावातों से भरी जिंदगी में एक रास्ता दिखाने वाली किताब है।अब किताब अमेजन स्टोर पर बिक्री के लिए उपलब्ध है।शुमैला जीवट की धनी और बेहद जुझारू हैं।घर परिवार बच्चों को सम्हालते हुए उन्होंने ये किताब लिखी है। शुमैला को लेखन विरासत में मिला है। शुमैला के पिता सै फिरोज तौकीर नकवी के नाना सन 1950 के दशक में उन्नाव से उर्दू भाषा में अखबार निकाला करते थे। वह पोस्ट आफिस में पोस्ट मास्टर भी रहे हैं।कुंडा जैसी छोटी सी जगह से निकल कर शुमैला ने शिक्षा और साहित्य से हाथ मिलाया है। उन्होंने शिक्षा ग्रहण करने के मार्ग में कभी घर परिवार की उपेक्षा नहीं की।सबसे बड़ी बात ये रही है कि शुमैला को शादी के बाद भी भरपूर साहित्यिक माहौल मिला। उनके स्व ससुर प्रोफेसर फजले इमाम रिजवी भाषाओं के ज्ञाता थे। प्रोफेसर रिजवी ने अपने जीवन काल में समाजिक, साहित्यिक और भाषा पर तमाम किताबें लिखी हैं।वह प्रसिद्ध इलाहाबाद विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के अध्यक्ष रहे हैं।

लंदन पहुंचेगा उत्तर प्रदेश का आम्रपाली आम, 1200 किलोग्राम की पहली खेप रवाना, बागबानों को मिलेगा वैश्विक बाजार

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बागबानों के लिए एक और बड़ी उपलब्धि सामने आई है। भारत–यूनाइटेड किंगडम मुक्त व्यापार समझौते के प्रभावी होने के बाद प्रदेश के प्रसिद्ध आम्रपाली आम को अब लंदन के बाजार में नई पहचान मिलने जा रही है। योगी सरकार के प्रयासों से शनिवार को 1200 किलोग्राम आम्रपाली आम की निर्यात खेप उद्यान निदेशालय, लखनऊ से लंदन के लिए रवाना की गई। खेप को अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग बी.एल. मीणा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार किसानों और बागबानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि एवं उद्यान उत्पादों के निर्यात को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। सरकार की प्राथमिकता है कि उत्तर प्रदेश के गुणवत्तापूर्ण फल और कृषि उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचें, जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल सके और उनकी आय में वृद्धि हो।उन्होंने बताया कि कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) तथा उद्यान विभाग के संयुक्त प्रयासों से उत्तर प्रदेश के आमों की मांग अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार बढ़ रही है। बेहतर गुणवत्ता और बढ़ते निर्यात के कारण प्रदेश के आम वैश्विक बाजार में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। इससे न केवल बागबानों को आर्थिक लाभ मिलेगा, बल्कि उत्तर प्रदेश की कृषि उत्पादों के निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।उन्होंने जानकारी दी कि पिछले दो दिनों में उत्तर प्रदेश से चौसा और आम्रपाली किस्म के कुल 2400 किलोग्राम आम यूनाइटेड किंगडम भेजे गए हैं। यह निर्यात प्रदेश के बागबानों के लिए नए बाजारों के द्वार खोलने के साथ–साथ उनकी आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।कार्यक्रम में उद्यान विभाग, एपीडा के अधिकारियों तथा संबंधित निर्यातकों की उपस्थिति रही। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि भविष्य में उत्तर प्रदेश के आम सहित अन्य उद्यान उत्पादों का निर्यात और बढ़ेगा, जिससे प्रदेश के किसानों और बागबानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहतर अवसर प्राप्त होंगे तथा प्रदेश की पहचान वैश्विक फल निर्यात मानचित्र पर और मजबूत होगी।

प्रसव के बाद महिला की मौत, इलाज में लापरवाही का आरोप

आक्रोशित परिजनों ने किया पोस्टमार्टम हाउस में हंगामा

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र स्थित नाज अस्पताल में प्रसव के बाद महिला मरीज की मौत हो गई। महिला के घरवालों ने इलाज में लापरवाही बरतने से महिला की मौत का आरोप लगाते हुए पोस्टमार्टम हाउस में शनिवार को हंगामा किया। पुलिस मामले की जांच–पड़ताल कर रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार जौनपुर जिले के सरपतहा थाना क्षेत्र स्थित नवादा पट्टी गांव निवासी 28 वर्षीय प्रतिभा मौर्य गर्भवती थी। वह अपने पति के साथ चाका ब्लाक के पास नैनी में रहती थी। पति दीनानाथ एक प्राइवेट टेलीकॉम कंपनी में काम करता है। वर्ष 2022 में उनकी शादी हुई थी।डिलीवरी कराने के लिए 17 जुलाई की शाम प्रतिभा को करेली स्थित नाज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां उसने एक बच्ची को जन्म दिया। इसके बाद प्रतिभा की तबीयत बिगड़ गई। डॉक्टर ने आईसीयू में भर्ती किया। आरोप है कि इस दौरान परिवार वालों को मिलने नहीं दिया गया। दबाव बनाने पर उन्होंने मरीज को दूसरे अस्पताल ले जाने के लिए

कहा।परिजन जब प्रतिभा को लेकर सिविल लाइंस स्थित दूसरे अस्पताल में पहुंचे तो पता चला की मौत हो चुकी है। इस पर परिवार वाले नाराज हो गए। पोस्टमार्टम हाउस पर घटना के विरोध में हंगामा किया। चौकी इंचार्ज राजरूपपुर जगदीश का कहना है कि मामले की अभी कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

विजडम इण्डिया

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लखनऊ, रविवार 19 जुलाई 2026

sheelshukla100@gmail.com

स्कूल जा रहे छात्र पर चाकू से हमला, बैग फटने से बची जान, परिजनों में दहशत

सुल्तानपुर। जिले के धनपतगंज थाना क्षेत्र के भरमौली (बिनगी) गांव में शनिवार सुबह स्कूल जा रहे एक छात्र पर कथित रूप से चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में छात्र का स्कूल बैग फट गया जबकि उसकी पीठ पर भी चोट आई। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस से शिकायत कर आरोपित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित परिवार के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 9 बजे 13 वर्षीय साहिल प्राथमिक विद्यालय ब्रह्मौली पढ़ने जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में बहेरी गांव निवासी अशरफ पुत्र मुन्नू ने उसे रोक लिया और चाकू से हमला कर दिया। चाकू का वार सबसे पहले छात्र के स्कूल बैग पर लगा, जिससे बैग फट गया। इस दौरान साहिल की पीठ पर भी चोट आई। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद आरोपित ने छात्र को धमकी दी कि यदि उसने किसी को इस बारे में बताया तो उसे जान से मार देगा। इस धमकी के बाद परिवार भयभीत है। उनका कहना है कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में कोई गंभीर घटना हो सकती है। घटना की सूचना मिलने पर पीड़ित परिवार ने धनपतगंज थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में धनपतगंज थाना प्रभारी अंजू मिश्रा ने बताया कि मामले की तहरीर प्राप्त हो गई है और पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

माँ विंध्यवासिनी के दर्शन को पहुंचीं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

मीरजापुर।दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता आज माँ विंध्यवासिनी धाम दर्शन के लिए विंधयाचल पहुंचीं। उनके आगमन पर भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ उनका स्वागत किया।

जिलाध्यक्ष सरोज ने मुख्यमंत्री को क्षेत्र की खुशहाली एवं विकास के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा, षदिल्ली की मुख्यमंत्री का विंध्य धाम आगमन हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का विषय है। माँ विंध्यवासिनी जी से प्रार्थना है कि दिल्ली एवं पूरे देश की जनता सुखी एवं समृद्ध हो।ष

स्वागत कार्यक्रम के दौरान भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महिला मोर्चा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने षभारत माता की जयष और षजय श्री रामष के नारों से पूरे परिसर को गुंजायमान कर दिया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने माँ विंधयवासिनी मंदिर में विधि–विधान से दर्शन–पूजन किया। मंदिर प्रशासन द्वारा उन्हें अंगवस्त्र एवं प्रसाद भेंट किया गया।

फरह की गोवर्धन ड्रेन में अज्ञात शव मिलने से इलाके में दहशत, पुलिस में हड़कंप

सीओ रिफाइनरी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, शिनाख्त और पोस्टमार्टम से होगी मौत के कारणों की पुष्टि।

(मथुराध्फरह)(ए.के.शर्मा)

थाना फरह क्षेत्र में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई जब गोवर्धन ड्रेन में एक अज्ञात शव तैरता हुआ मिला। शव मिलने की सूचना से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी फरह छोटेलाल और क्षेत्राधिकारी रिफाइनरी प्रवीण कुमार तिवारी तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। साक्ष्य संकलन के लिए फील्ड यूनिट टीम को भी बुलाया गया, जिसने ड्रेन और आसपास के क्षेत्र से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। गोवर्धन ड्रेन में शव मिलने की खबर फैलते ही आसपास के गांवों में दहशत का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो गए। लोग आपस में तरह–तरह के कयास लगा रहे थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को हटाया और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों और ग्रामीणों से शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस ने ड्रेन के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालनी शुरू कर दी है। मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी रिफाइनरी प्रवीण कुमार तिवारी ने कहा कि गोवर्धन ड्रेन में अज्ञात शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। तत्काल थाना प्रभारी फरह के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। फील्ड यूनिट टीम द्वारा साक्ष्य संकलन की कार्रवाई कराई गई है। मृतक की शिनाख्त की कार्रवाई प्रचलित है। मृत्यु का स्पष्ट कारण जानने के लिए पंचायतनामा की कार्रवाई एवं आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कराई जाएगी।

फजी/ पत्रकारों के खिलाफ चले महाअभियान - उपमन्यु

(लखनऊध्मथुरा)

दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता और उसकी जवाबदेही को लेकर की गई महत्वपूर्ण टिप्पणी के बाद ब्रज प्रेस क्लब 25 जुलाई से प्रस्तावित फर्जी पत्रकारों एवं षप्रेसष लिखे फर्जी वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

बृज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट ने कहा कि न्यायालय की टिप्पणी इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पत्रकारिता की गरिमा बनाए रखने के लिए फर्जी और गैर–जिम्मेदार तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार है, लेकिन इसका दुरुपयोग किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। आज मोबाइल और माइक्रोफोन लेकर कोई भी स्वयं को पत्रकार बताने लगता है, जबकि उसके पास न तो पत्रकारिता का प्रशिक्षण होता है और न ही समाज के प्रति जवाबदेही। उन्होंने कहा कि समिति का अभियान वास्तविक पत्रकारों के विरुद्ध नहीं, बल्कि पत्रकारिता की आड़ में गलत गतिविधियां करने वाले फर्जी पत्रकारों तथा अवैध रूप से षप्रेसष लिखकर चलाए जा रहे वाहनों के खिलाफ है।

उन्होंने बताया कि अंतिम सप्ताह जुलाई से अभियान का शुभारंभ शुरू कराया जाएगा। जिले के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी से मिल कर विशेष अभियान पूरे बृज क्षेत्र में चलाया जाएगा

उन्होंने बृज क्षेत्र के सभी प्रिंट, डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े पत्रकारों से इस अभियान में बढ़–चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की विश्वसनीयता, समाज के विश्वास और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की गरिमा की रक्षा के लिए सभी जिम्मेदार पत्रकारों को एकजुट होना होगा।

यह अभियान फर्जी पत्रकारों और प्रेस का दुरुपयोग करने वाले लोगों के विरुद्ध होगा यह अभियान किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि पत्रकारिता की साख बचाने का जन–जागरण अभियान की तरह होगा है। उन्होंने कहा कि वास्तविक पत्रकारों की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान पूरे बृज क्षेत्र में एक सकारात्मक संदेश देगा।

धान की रोपाई को लेकर विवाद में चली गोली, पति-पत्नी घायल

मगोर्रा के शाहपुर चौनपुर में कहासुनी के बाद विकास ने किया फायर, गनपाउडर के निशान मिले, तहरीर मिलने पर होगी कार्रवाई - सीओ।

(मथुराध्मगोर्रा)(ए.के.शर्मा)

जनपद में मामूली विवाद खून–खराबे में बदल गया। थाना मगोर्रा क्षेत्र के ग्राम शाहपुर चौनपुर में गुरुवार रात करीब 8रू00 से 8रू30 बजे के बीच धान की रोपाई को लेकर हुए झगड़े में एक युवक ने फायरिंग कर दी। गोलीबारी में पति–पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, गांव निवासी महेश और राजू के बीच खेत में धान की रोपाई को लेकर कहासुनी हो गई। इसी बीच विकास नामक युवक वहां पहुंचा और उसने महेश को धक्का दे दिया। अपमानित महेश ने घर जाकर पूरी घटना अपनी पत्नी सरोज और भाई गोपाल को बताई। आक्रोशित होकर गोपाल और सरोज मौके पर पहुंचे और विकास से बात करने लगे। इसी दौरान कहासुनी बढ़ गई और विकास ने तैश में आकर उन पर फायर कर दिया। गोली चलने से अफरा–तफरी मच गई। ग्रामीणों की मदद से घायल गोपाल और सरोज को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना किया।

होगी सख्त कार्रवाई - सीओ गोवर्धन

इस संबंध में क्षेत्राधिकारी गोवर्धन श्री अनिल कुमार सिंह ने बताया कि षमेरे द्वारा गांव में जाकर घटना के संबंध में जानकारी की गई तो ज्ञात हुआ कि विकास के द्वारा सरोज पर फायर किया गया है। अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा बताया गया है कि घायलों के चेहरे पर जो लाल निशान हैं, वह गनपाउडर के निशान हैं।ष

सीओ ने बताया कि अभी तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर प्राप्त होने पर विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात कर स्थिति को नियंत्रण में लिया है।

350 विद्यार्थियों ने श्री चित्रगुप्त धाम में मनाया पौधरोपण उत्सव, लिया संरक्षण संकल्प

सुलतानपुर। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से श्री चित्रगुप्त धाम, सीताकुंड, सुल्तानपुर स्थित विनोद स्मृति वाटिका में राधा रानी कुँवर कृष्ण इंटर कॉलेज के लगभग 350 छात्र–छात्राओं ने पौधरोपण उत्सव मनाया। कार्यक्रम के अंतर्गत विनोद स्मृति वाटिका में विभिन्न प्रकार के डेकोरेटिव, पुष्पीय एवं सौंदर्यवर्धक पौधों का रोपण किया गया। साथ ही मंदिर परिसर के उत्तरी भाग में छायादार एवं फलदार वृक्षों का रोपण कर परिसर को अधिक हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आरती एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके पश्चात सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं श्री चित्रगुप्त धाम परिवार के सदस्यों ने सामूहिक रूप से विद्यार्थी पौध संरक्षण शपथ" ली और लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल, सिंचाई एवं संरक्षण का संकल्प किया।

संयुक्तप्रेस क्लब की बैठक में पत्रकार एकता और अधिकारों की रक्षा का लिया गया संकल्प

वरिष्ठ पत्रकार अशोक गोस्वामी की अध्यक्षता में हुई बैठक, पत्रकार कल्याण एवं संगठन विस्तार पर हुआ मंथन

पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन सदैव तत्पर रू अतुल माहेश्वरी

पत्रकार एकजुट रहें, हर समस्या के समाधान के लिए संयुक्तप्रेस क्लब संघर्ष करेगा रू धर्मेंद्र प्रताप सिंह तोमर

हैंडपंप मरम्मत, बेंच स्थापना और पेयजल सुविधाओं सहित संगठन की उपलब्धियों की सराहना

मेरठ, 18 जुलाई। संयुक्त प्रेस क्लब (रजि.) मेरठ की एक महत्वपूर्ण एवं आवश्यक बैठक शनिवार को मेरठ प्रेस क्लब, मंगल पांडे नगर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार अशोक गोस्वामी ने की तथा संचालन क्लब के महामंत्री धर्मेंद्र प्रताप सिंह तोमर ने किया। बैठक में पत्रकार हितों, संगठन की उपलब्धियों, आगामी कार्यक्रमों तथा पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए क्लब अध्यक्ष अतुल माहेश्वरी ने कहा कि संयुक्त प्रेस क्लब पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा एवं अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल औपचारिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि पत्रकारों की वास्तविक समस्याओं का समाधान कराना उसकी प्राथमिकता है। किसी भी पत्रकार के साथ अन्याय होने की स्थिति में संगठन उसके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा तथा आवश्यकतानुसार प्रशासनिक एवं विधिक स्तर पर प्रभावी पैरवी करेगा।

अतुल माहेश्वरी ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा, मूलभूत सुविधाओं, पहचान और सम्मान से जुड़े मुद्दों को लेकर संगठन लगातार सक्रिय है तथा प्रशासन के साथ निरंतर संवाद स्थापित कर रहा है। उन्होंने सभी पत्रकारों से संगठन की मजबूती के लिए एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि किसी भी संगठन की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकता और सक्रिय सदस्यता होती है।

महामंत्री धर्मेंद्र प्रताप सिंह तोमर ने कहा कि संयुक्त प्रेस क्लब निरंतर पत्रकारों की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाता रहा है। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज की आवाज होता है और उसकी सुरक्षा तथा सम्मान सुनिश्चित करना संगठन का दायित्व है। क्लब का प्रत्येक पदाधिकारी पत्रकारों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहा है।

उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा समय–समय पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपमहानिरीक्षक, जिलाधिकारी एवं नगर आयुक्त मेरठ को ज्ञापन देकर पत्रकारों से संबंधित विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की गई है, जिसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त हुए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी संगठन पत्रकारों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रखेगा।

संगठन की उपलब्धियों की सराहना

बैठक में संगठन की उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए सदस्यों ने संयुक्त प्रेस क्लब की सक्रिय भूमिका पर संतोष व्यक्त किया। बताया गया कि क्लब के प्रयासों से कमिश्नरी चौराहा मेरठ पर छह कुर्सी–बेंच स्थापित कराई गईं, जिससे पत्रकारों सहित आम नागरिकों को सुविधा प्राप्त हो रही है। इसके अतिरिक्त सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, मेरठ कार्यालय में वाटर कूलर एवं पानी का फ्रिज स्थापित कराया गया।

साथ ही मेरठ प्रेस क्लब, मंगल पांडे नगर परिसर में 16 सीटों वाली बेंच लगवाई गई तथा विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया गया। इसके अलावा अध्यक्ष अतुल माहेश्वरी एवं महामंत्री धर्मेंद्र प्रताप सिंह तोमर की निगरानी एवं विशेष प्रयासों से मेरठ प्रेस क्लब परिसर में कई वर्षों से खराब पड़े हैंडपंप को भी मरम्मत कराकर पुनः चालू कराया गया, जिससे पत्रकारों एवं आगंतुकों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो सकी। उपस्थित सदस्यों ने इन जनहितकारी एवं पत्रकार हितैषी कार्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

बैठक में पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं, बीमा योजना, पहचान पत्र, पत्रकार सुरक्षा, प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रशासनिक समन्वय तथा पत्रकार कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर गंभीरता से विचार–विमर्श किया गया। सदस्यों ने संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में पत्रकार हितों की रक्षा, संगठन विस्तार तथा पत्रकारों की सुविधाओं में वृद्धि के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे तथा विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर ठोस प्रयास किए जाएंगे।

बैठक में संयुक्त प्रेस क्लब के राजेंद्र प्रताप चौहान, अतुल माहेश्वरी, धर्मेंद्र प्रताप सिंह तोमर, लियाकत मंसूरी, रमेश सोनी, अशोक टाइगर, श्रीपाल तेवतिया, अशोक गोस्वामी, सुनील बादली, गौरव पांडेय, शालू शर्मा, स वंशिका शर्मा, माही कश्यप, मदन गोपाल, योगेश कौशिक, अहसान मुश्ताक, सुनील कुमार, राहुल गुप्ता, मुकेश कुमार गुप्ता, दिनेश कुमार सिंघल, प्रभास रस्तोगी, विभूति रस्तोगी, गौरव गोयल, सुनील शर्मा, मुन्ना, नदीम, एम.एच. खान, मोहम्मद नौशाद, मंगल उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में पत्रकार, पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक का समापन पत्रकार एकता, संगठन की मजबूती तथा पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा एवं अधिकारों की रक्षा के संकल्प के साथ हुआ।

बौद्ध दर्शन आज के वैश्विक पर्यावरण संकट और मानसिक तनाव का व्यावहारिक समाधान - प्रो. शिशिर चंद्र पाडेय

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) और के.बी.पी.जी. कॉलेज, मीरजापुर के संयुक्त तत्वावधान में गणेशगंज स्थित शिक्षा संकाय के सभागार में सात दिवसीय श्बोधि–पथ कार्यशालाश आयोजित की जा रही है। शनिवार को कार्यशाला के पांचवें दिन बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रोफेसर शिशिर चंद्र पांडेय ने कहा कि जीवों के प्रति दृष्टिकोण को समझने के लिए पारिस्थितिकीय और बौद्ध दोनों प्रणालियाँ बेहद महत्वपूर्ण हैं। जहाँ विज्ञान अंतर्संबंधों पर जोर देता है, वहीं बौद्ध दर्शन करुणा और अहिंसा को केंद्र में रखता है।

कार्यशाला में विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित जी.डी. बिनानी पी.जी. कॉलेज, मीरजापुर के इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ऋषभ कुमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण कोई आधुनिक अवधारणा नहीं है। इसे मानव जीवन का एक चेतन अस्तित्व और मूल कर्तव्य (धर्म) माना गया है। बौद्ध दर्शन इसी समृद्ध भारतीय ज्ञान परंपरा का एक अभिन्न हिस्सा है, जो आज के वैश्विक पर्यावरण संकट को सुलझाने के लिए सबसे व्यावहारिक और संतुलित मार्ग दिखाता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे के.बी.पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर रविन्द्र कुमार द्विवेदी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि बौद्ध दर्शन आज के आधुनिक और तनावपूर्ण परिवेश में पूरी तरह प्रासंगिक है, क्योंकि यह सीधे तौर पर मानवीय दुखों के व्यावहारिक समाधान पर केंद्रित है। जहाँ आज का समाज मानसिक तनाव, पर्यावरण संकट और उपभोक्तावाद से जूझ रहा है, वहीं बुद्ध के विचार जीवन जीने का एक संतुलित मार्ग (मध्यम मार्ग) दिखाते हैं।

कार्यशाला का संचालन संयोजक डॉ. कुलदीप पाण्डेय ने किया तथा अंत में डॉ. राजमणि सरोज ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षा संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर भवभूति मिश्र, प्रो. इन्दुभूषण द्विवेदी, प्रोफेसर भानु प्रताप सिंह, प्रोफेसर अर्चना पांडेय, प्रोफेसर नम्रता मिश्रा, डॉ. करनैल सिंह, डॉ. रविंद्र प्रताप सिंह, डॉ. प्रीतम सिंह, डॉ. सतीश चंद्र वर्मा, डॉ. प्रांकुर आनंद सहित कॉलेज के अन्य प्राध्यापकगण और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलो में आयोजित किया गया सम्पूर्ण समाधान दिवस

तहसील चुनार में जिलाधिकारी ने आए हुए फरियादियो की सुनी समस्याएं

तहसील चुनार में जिलाधिकारी के समक्ष प्राप्त 131 प्रार्थना पत्रो में से मौके पर 11 का किया गया निस्तारण

मीरजापुर 18 जुलाई 2026– शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलो में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील चुनार में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजक कौशिक व मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने आए हुए फरियादियो की समस्याओं को सुना गया। तहसील चुनार में जिलाधिकारी के समक्ष प्राप्त 131 प्रार्थना पत्रों में से मौके पर 11 का

निस्तारण करते हुए शेष प्रार्थना पत्रो को सम्बन्धित अधिकारियो को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि पूरी पारदर्शिता गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त प्रार्थना पत्रों को पूरी पारदर्शिता गुणवत्तापूर्ण से निस्तारण करे ताकि फरियादी को एक शिकायत को लेकर बार–बार तहसील व जिला मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। उन्होंने कहा कि जमीन कब्जा, पैमाइश आदि के मामलों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजकर दोनो पक्षों की उपस्थिति में उनकी बातो को सुनते हुए पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाए। उन्होंने कहा कि आई0जी0आर0एस0 में प्राप्त शिकायतो के निस्तारण के पूर्व शिकायतकर्ता से दूरभाष पर वार्ता कर उनकी शिकायत को गम्भीरतापूर्वक सुनते हुए शिकयत का निस्तारण करने के उपरान्त ही पोर्टल अपलोड जाए कि ताकि असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त न हों। इसी प्रकार जनपद के अन्य तहसीलो में यथा–तहसील सदर में अपर आयुक्त प्रशासन व अपर जिलाधिकारी भू0ध्रा0 देवेन्द्र प्रताप सिंह के समक्ष प्राप्त 183 में 31 का निस्तारण, तहसील लालगंज में अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 विनोद कुमार सिंह के समक्ष प्राप्त 82 प्रार्थना पत्रों में से 07 का निस्तारण एवं तहसील मड़िहान में उप जिलाधिकारी अजीत कुमार के समक्ष प्राप्त 95 प्रार्थना पत्रो में से 05 का निस्तारण किया गया। तहसील चुनार में अपर पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी चुनार अनेग सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ कीर्ति कुमार मिश्रा, प्रभागीय वनाधिकारी राकेश कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

भोजशाला और ज्ञानवापी का नजराना देकर नजीर पेश करे मुस्लिम समाज

परमार वंश के महान राजा भोज द्वारा वर्ष 1034 में निर्मित यह संस्कृत पाठशाला और वाग्देवी मंदिर भारतीय ज्ञान परंपरा का एक अनुपम केंद्र था। हाल ही में उच्च न्यायालय के आदेश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (।) द्वारा किए गए वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस स्थान के मूल स्वरूप को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। दो अंग्रेजी कहावतें हैं अर्थात् आँखें निरर्थक यदि दिमाग ही सत्य को देखने से इनकार कर दे। और दूजी कहावत है, "थ्सवहहपदह कमंक"वेतम" अर्थात् मरे हुए घोड़े को चाबुक मार–मारकर उससे उठने की आशा रखना। ये दोनों ही कहावतें वर्तमान समय में 'भारतीय मुस्लिम समाज' पर सटीक बैठती हैं। धार की वाग्देवी (मां सरस्वती) की पावन धरोहर श्भोजशालाश और साथ–साथ काशीनाथ के ज्ञानवापी मंदिर का मामला आज पुनः मुस्लिम समाज से सौहार्द की आशा लिए खड़ा है। मुस्लिम समाज और विशेषतः इस समाज के नेतृत्व का दावा करने वाले नेताओं को क्या यह बात समझ नहीं आती है कि – "इस ऐतिहासिक परिसर पर हिंदू समाज का दावा केवल आस्था पर नहीं, बल्कि अकाट्य ऐतिहासिक और वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित है?" मुस्लिम समाज के नेता यदि अपनी सियासती स्वार्थों के कारण सही बात नहीं पर पा रहे हैं तो मुल्ला, मौलवी, मुस्लिम स्कालर्स, प्रोफेसर्स, बुद्धिजीवियों को आगे आना चाहिए और भोजशाला व ज्ञानवापी का नजराना थाली में सजाकर हिंदू समाज को सौंपना चाहिए। यदि मुस्लिम नेता और आलिम दोनों ही ऐसा नहीं करते हैं तो फिर बार–बार गंगा जमुनी तहजीब की बात हिंदू और मुस्लिम समाज दोनों को ही बंद कर देनी चाहिए। गंगा–जमुनी तहजीब केवल जुमला नहीं है यह मुस्लिम वर्ग को सिद्ध करने का यह सर्वाधिक सटीक अवसर है। परमार वंश के महान राजा भोज द्वारा वर्ष 1034 में निर्मित यह संस्कृत पाठशाला और वाग्देवी मंदिर भारतीय ज्ञान परंपरा का एक अनुपम केंद्र था। हाल ही में उच्च न्यायालय के आदेश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (।) द्वारा किए गए वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस स्थान के मूल स्वरूप को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है।सर्वेक्षण के दौरान परिसर और उसके मलबे से सनातन धर्म के विभिन्न देवी–देवताओं की खंडित एवं संरक्षित प्रतिमाएं प्राप्त हुई हैं। इनमें भगवान गणेश, शिव, विष्णु, ब्रह्मा, माता पार्वती और वाग्देवी (सरस्वती) की अद्भुत कलाकृतियां सम्मिलित हैं। ये मूर्तियां स्पष्ट करती हैं कि यह मूल रूप से एक मंदिर परिसर था।भोजशाला की दीवारों और स्तंभों पर संस्कृत और प्राकृत भाषा में लिखे गए कई शिलालेख मिले हैं। इनमें संस्कृत व्याकरण (पतंजलि के सूत्र), काव्य और राजा भोज की स्तुति अंकित है। मस्जिदों में अरबी या फारसी के शिलालेख होते हैं, परंतु यहाँ देवनागरी लिपि में खुदे वैदिक मंत्र और व्याकरण के नियम इस स्थान के अकाट्य श्सरस्वती कंठाभरणश (विद्या का मंदिर) होने की पुष्टि करते हैं।परिसर के स्तंभों, बीम और छतों पर नक्काशीदार कमल, स्वस्तिक, कलश, शंख, कीर्तिमुख और अप्सराओं की आकृतियां उकेरी गई हैं। इस्लामी

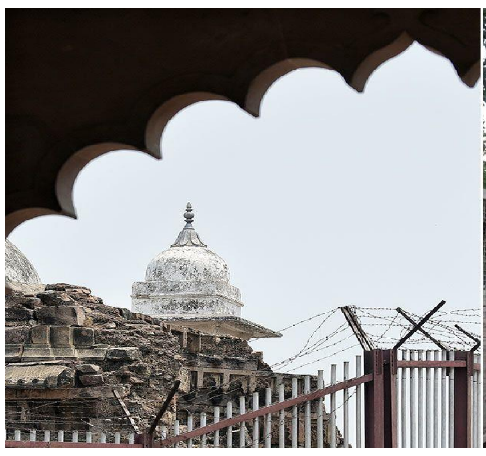

वास्तुकला में जीवंत आकृतियों का अंकन पूर्णतः वर्जित है, जबकि भोजशाला के कोने–कोने में ये कलाकृतियां बिखरी पड़ी हैं, जो इसके मंदिर होने का जीवंत प्रमाण हैं।वैज्ञानिक जांच में परिसर के भीतर प्राचीन हवन कुंड और गर्भगृह के स्पष्ट अवशेष मिले हैं। वर्तमान में जो ढांचा मस्जिद के रूप में उपयोग किया जा रहा है, वह वास्तव में मंदिर के ही स्तंभों और सामग्री को उलट–पुलट कर तथा उन्हें क्षतिग्रस्त करके खड़ा किया गया है।ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार, इस मंदिर की मूल अधिष्ठात्री देवी श्वाग्देवीश की प्रतिमा को ब्रिटिश काल में यहाँ से हटाकर लंदन के श्ब्रिटिश म्यूजियमश में रख दिया गया था, जिसके आधार पर भी हिंदू समाज का यह दावा वैश्विक स्तर पर सिद्ध होता है। इन तमाम वैज्ञानिक और पुरातात्विक तथ्यों के प्रकाश में यह स्पष्ट है कि धार की भोजशाला पर हिंदू समाज का अधिकार पूरी तरह स्वाभाविक, ऐतिहासिक और न्यायसंगत है। ऐसे में, इस सत्य को नकारकर अदालतों में अपील दर अपील करना केवल समय की बर्बादी और समाज में कटुता बढ़ाने का माध्यम ही बनेगा।काशी की श्ज्ञानवापीश और धार की श्भोजशालाश दोनों ही स्थानों पर प्रत्यक्ष दिखने वाले पुरातात्विक साक्ष्य चिल्ला–चिल्लाकर सच्चाई बयां कर रहे हैं। सत्य को केवल कानूनी दांव–पेंचों से कुछ समय के लिए टाला जा सकता है, मिटाया नहीं जा सकता। न्यायालय भी अंततः साक्ष्यों और जनभावनाओं के संतुलन पर ही निर्णय देता है। ऐसे में फिर से सुप्रीम कोर्ट की शरण में जाना श्अपनी ही कुल्हाड़ी पर पैर मारनेश जैसा है।मुस्लिम समाज के नेताओं, मुल्ला–मौलवियों, बुद्धिजीवियों को यह विचार करना ही चाहिए कि ऐसी हठधर्मिता भला किस काम की? वो क्यों अयोध्या जैसी जिद किए रहना चाहते हैं? हठधर्मिता का अंत हमेशा कड़वाहट के साथ होता है, जबकि संवाद का अंत सदैव सम्मान के साथ होता है।भारतीय मुसलमानों को यह ऐतिहासिक सत्य स्वीकार करना होगा कि उनके पुरखों के जींस और रक्त इस देश की मिट्टी से जुड़े है, किसी विदेशी आक्रांता बाबर या औरंगजेब से नहीं। वे इसी भूमि की संतान हैं। बहुसंख्यक हिंदू समाज ने सदियों तक अपने मानबिंदुओं के विध्वंस को मूक दर्शक बनकर झेला है, और अब स्वतंत्रता के बाद वह अपनी सांस्कृतिक पहचान को पुनः स्थापित करने के लिए आतुर है। ऐसी परिस्थिति में मुस्लिम समाज को कानूनी लड़ाई लड़ने के बजाय एक बड़ा दिल दिखाना चाहिए। हिंदू समाज को श्बड़ा भाईश मानते हुए उन्हें आगे बढ़कर यह कहना चाहिएरू श्ये स्थान आपकी आस्था के केंद्र हैं, हम स्वेच्छा से इन पर अपना दावा छोड़ते हैं।यह कदम मुस्लिम समाज की कमजोरी नहीं, बल्कि उनके बड़प्पन, सहिष्णुता और कथित श्गंगा–जमुनी तहजीबश का जीवंत उदाहरण बनेगा। जब बड़ा भाई अपने मानबिंदुओं को वापस पाने के लिए संघर्षरत हो, तो छोटे भाई का धर्म अड़चन बनना नहीं, बल्कि ससम्मान मार्ग प्रशस्त करना होता है। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि देश का आम मुसलमान झगड़ा नहीं चाहता। वह अमन, शिक्षा और तरक्की की राह पर चलना चाहता है। परंतु समस्या मुस्लिम समाज के भीतर के उन कट्टरपंथी नेताओं और वोट बैंक की राजनीति करने वाले स्वार्थी तत्वों की है, जो अपनी राजनीतिक दुकानें चमकाने के लिए आम मुसलमानों के मन में अकारण भय पैदा करते हैं। वे यह झूठा डर फैलाते हैं कि श्यदि आज एक मस्जिद छोड़ी, तो कल सारी मस्जिदें छीन ली जाएंगी। मुस्लिम समाज की सबसे बड़ी त्रासदी यह रही है कि वह इन चंद सियासी ठेकेदारों के हाथों की कठपुतली बन जाता है। इस समाज को अब आत्ममंथन करना होगा। उन्हें अपनी कमान अड़ियल रुख वाले नेताओं के हाथ से छीनकर प्रगतिशील, शिक्षित और उदारवादी चेहरों को सौंपनी होगी, जो देश की मुख्यधारा के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में विश्वास रखते हों। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के फैसले कानून की सीमाओं में बंधे होते हैं, लेकिन दिलों को जोड़ने का काम अदालतें नहीं कर सकतीं। धार और काशी के मामलों में यदि मुस्लिम समाज सुप्रीम कोर्ट न जाकर सीधे हिंदू समाज के संतों और प्रतिनिधियों के साथ बैठकर सौहार्दपूर्ण समझौता कर ले, तो यह पूरे विश्व के समक्ष भारतीय संस्कृति की एक अनुपम मिसाल होगी। यह अवसर इतिहास को बदलने का है। भारतीय मुस्लिम समाज को कड़वाहट की अपनी पुरानी विरासत को यहीं दफन करना चाहिए। उसे धार व काशी में चीख–चीख कर हिंदू मंदिर होने की घोषणा करते वैज्ञानिक व पुरातात्विक साक्ष्यों को हृदय से स्वीकार कर हिंदू समाज को सम्मानपूर्वक एक नजराना देकर एक नजीर पेश करनी चाहिए।

सम्पादकीय

अब इम्तहान राज्य एवं केंद्र सरकारों का

अब इम्तहान राज्य एवं केंद्र सरकारों का है। क्या वे साबित करेंगी कि अनुबंधों में शामिल शर्तों का कुछ अर्थ होता है? अथवा, ऐसी शर्तों को ठेंगे पर रखने की प्रवृत्ति बढ़ाने में वे सहायक बनेंगी? केरल के विझिंजम इंटरनेशनल पोर्ट को लेकर उठा विवाद इस बात की मिसाल है कि भारत में एकाधिकारी पूंजीपति अब किस हद तक राजसत्ता को अपनी मुट्ठी में मानने लगे हैं। घटनाक्रम अपने–आप में सारी कहानी बता देता है। विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का निर्माण अडानी समूह ने किया। कुछ रोज पहले खबर आई कि इस ग्रुप ने इस बंदरगाह में अपनी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी (लगभग 12,000 करोड़ रुपये) में स्विट्जरलैंड की मेडिटेरिनियन शिपिंग कंपनी को बेच दी है। इस पर केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने अचरज जताया।

कहा कि अडानी समूह ने राज्य सरकार को बिना सूचित किए इस बड़े सौदे की सार्वजनिक घोषणा कर दी है। जबकि अडानी समूह को परियोजना का निर्माण कार्य इस शर्त पर सौंपा गया था कि 25 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सेदारी बेचने के लिए उसे राज्य सरकार की पूर्व अनुमति लेनी होगी। गौरतलब है कि बंदरगाह का स्वामित्व सरकार के पास है। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन (जिनके कार्यकाल में बंदरगाह बना) ने भी पुष्टि की है कि अनुबंध में उपरोक्त शर्त शामिल है। केरल सरकार का कहना है कि विझिंजम एक रणनीतिक बंदरगाह है। एक ही विदेशी शिपिंग कंपनी को इतनी बड़ी हिस्सेदारी देने से प्रतिस्पर्धा खत्म होने का खतरा है। इससे सुरक्षा संबंधी पहलू भी जुड़े हैं। अतरू इतनी बड़ी हिस्सेदारी बेचने से पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय एवं जहाजरानी मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी लेना भी आवश्यक है।

इस मुद्दे पर विवाद बढ़ने के बाद बंदरगाह निर्माता कंपनी– अडानी पोर्ट्स ने दावा किया कि अनुबंध से संबंधित किसी नियम का उल्लंघन नहीं हुआ है। हिस्सेदारी ट्रांसफर की प्रक्रिया को अंतिम मंजूरी के लिए अब सरकार के पास भेजा गया है। मगर इससे यह साफ हो जाता है कि अडानी ग्रुप आश्वस्त है कि सरकार की मंजूरी उसे मिलनी ही है! यह प्रक्रिया महज रस्म–अदायगी है, जिसे पहले नहीं, तो बाद में पूरा किया जाएगा! बहरहाल, अब इम्तहान राज्य एवं केंद्र सरकारों का है। क्या वे साबित करेंगी कि अनुबंधों में शामिल होने वाली शर्तों का कुछ अर्थ होता है? अथवा, ऐसी शर्तों को ठेंगे पर रखने की प्रवृत्ति बढ़ाने में वे सहायक बनेंगी?

जी राम जी के नाम पर यह कैसी ठगाई!

हिसाब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मनरेगा योजना खत्म करनी थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद 2015 में उन्होंने कहा था यह योजना कांग्रेस की विफलताओं का जीता–जागता स्मारक है। आजादी के 60 साल बाद भी कांग्रेस गरीबों को गड्ढे खोदने का काम दे रही थी और यह उनकी विफलता को दर्शाता है। पर उसके बाद क्या हुआ? मोदी सरकार ने बिना काम के लोगों को सब्सिडी, पैसा बांटना शुरू किया। कोई सौ करोड़ लोगों को सीधे लाभार्थी बनाया, नोट के बदले वोट की राजनीति पकाई। और इस एक जुलाई को पुरानी मनरेगा योजना का नया नाम श्वीबी जी रामजीश (विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण या वीबी जी रामजी) के कर लागू किया है।

इसमें कहने के लिए कांग्रेस से आगे बढ़ कर एक सौ की बजाय 125 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी दी गई है। लेकिन खर्च का चालीस प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकारों के मत्थे मढ़ दिया है। राज्य सरकारें पहले से ही वित्तीय संकट में है। केंद्र सरकार खुद बुरी दशा में है और वह राज्यों को उनके हक का पैसा देने में भी कंजूसी, टालमटोल का रवैया अपनाए हुए है। मार्च 2026 तक राज्यों को केंद्र की ओर से 17 हजार करोड़ रुपए की देनदारी थी, जिसमें 78 सौ करोड़ रुपए मनरेगा मजदूरी के थे। अब एक जुलाई से केंद्र सरकार ने मनरेगा का नाम बदल कर जी राम जी कर गांव–देहात के राम, राम सा बोलने वाले लोगों में नई ब्रांडिंग शुरू की है। पर असल में उसके पीछे होगा क्या? हाल में मुझे देहात में नई रियलिटी मिली। खेतीहर घर के एक माली का बताना था किसान सब्सिडी के दो हजार रुपए तो आ रहे हैं लेकिन मुख्यमंत्री ऐसा निकम्मा है जो उसके साथ राज्य से आने वाले हजार रुपए अभी तक नहीं भेजे। फिर अपनी जीविका का ब्योरा देते हुए बताया बुढ़िया (मां) गांव ही रहती है, मनरेगा में रजिस्टर्ड है, तीन सौ रुपए के हिसाब से दस–पंद्रह दिन का काम हर महीने आ जाता है। पर अब बता रहे है नई श्जी राम जीश नाम से नया कुछ हो रहा है। पता नहीं आगे क्या हो।

सोचें, योजना को हल्का (मनरेगा के रजिस्टर मजूदरों की नई मुश्किलों में) करके उस पर श्जी राम जीश का नाम चस्पाया है।

यक्ष प्रश्न क्या विकसित भारत 2047 का लक्ष्य 2075 में हासिल होगा?

प्रति व्यक्ति आयरू विकसित देश बनने का आधार केवल कुल ळक्च नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति आय भी है। यदि जनसंख्या के अनुपात में आय पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ती, तो लक्ष्य पीछे खिसक सकता है। तीसरी, रोजगार की चुनौतीरू आर्थिक वृद्धि के अनुरूप पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण रोजगार नहीं बनने से आय और उपभोग दोनों प्रभावित होते हैं। यदि आप विकसित भारत 2047 का स्वप्न देख रहे हैं तो थोड़ा संभल जाइए, क्योंकि कुछ अर्थशास्त्रियों ने यह तर्क दिया है कि यदि भारत की मौजूदा आर्थिक वृद्धि दर, उत्पादकता और रोजगार सृजन की गति में पर्याप्त सुधार नहीं हुआ, तो भारत को श्विकसित देशश बनने में 2047 के बजाय 2075 तक का समय लग सकता है। बता दें कि यह कोई आधिकारिक सरकारी अनुमान नहीं है, बल्कि कतिपय अर्थशास्त्रियों द्वारा किए गए एक आर्थिक विश्लेषण पर आधारित दृष्टिकोण मात्र है, जो सत्य के निकट है या परे, यह भविष्य के गर्भ में है। हाँ, इतना जरूर है कि इससे विपक्ष को सत्तापक्ष की खिल्ली उड़ाने का एक मौका जरूर मिल गया है।दरअसल, इस संदर्भ में चर्चित अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला ने भी कहा कि यदि वर्तमान गति ऐसी ही बनी रही, तो विकसित भारत का लक्ष्य 2047 तक हासिल करना कठिन हो सकता है। मसलन, ेनतरपज ठींससं का आशय यह है कि केवल ळक्च आर्थिक वृद्धि दर पर्याप्त नहीं है। यदि वर्तमान गति, निवेश, उत्पादकता और रोजगार सृजन की चुनौतियाँ बनी रहीं, तो भारत को विकसित देश बनने में 2047 के बजाय 2075 तक का समय लग सकता है।इस प्रकार से देखा जाए तो उन्होंने और उनके जैसे अन्य कई अर्थशास्त्रियों द्वारा उठाई जाने वाली प्रमुख चिंताएँ इस प्रकार हैंरू– पहली, विकास दर में कमीरू विकसित भारत के लक्ष्य के लिए लंबे समय तक 8द्व9ः या उससे अधिक वास्तविक ळक्च वृद्धि की आवश्यकता मानी जाती है, जबकि हाल के वर्षों में वृद्धि इससे कम रहने का अनुमान है।दूसरी, प्रति व्यक्ति आयरू विकसित देश बनने का आधार केवल कुल ळक्च नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति आय भी है। यदि जनसंख्या के अनुपात में आय पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ती, तो लक्ष्य पीछे खिसक सकता है। तीसरी, रोजगार की चुनौतीरू आर्थिक वृद्धि के अनुरूप पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण रोजगार नहीं बनने से आय और उपभोग दोनों प्रभावित होते हैं।चौथी, विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग)रू ळक्च और रोजगार में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी अपेक्षित स्तर तक नहीं बढ़ पाई है। पांचवीं, मानव पूंजीरू शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और श्रम उत्पादकता में अभी भी उल्लेखनीय सुधार की आवश्यकता है। छठी, वैश्विक अनिश्चितताएँरू भू–राजनीतिक तनाव, व्यापार बाधाएँ, ऊर्जा कीमतें और वैश्विक आर्थिक मंदी जैसे कारक भी विकास की गति को प्रभावित कर सकते हैं।हालाँकि, यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि यह एक आर्थिक आकलन है, कोई निश्चित भविष्यवाणी नहीं। यदि भारत अगले दो दशकों में तेज और निरंतर आर्थिक वृद्धि, व्यापक रोजगार सृजन, विनिर्माण विस्तार, बुनियादी ढाँचे में निवेश, शिक्षा–स्वास्थ्य सुधार और प्रशासनिक सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू करता है, तो 2047 का लक्ष्य अधिक यथार्थवादी हो सकता है।इसलिए सुरजीत भल्ला का तर्क मूलतः यह है कि यदि वर्तमान गति और संरचनात्मक चुनौतियाँ नहीं बदलीं, तो विकसित भारत का लक्ष्य 2047 से काफी आगे खिसक सकता है। इसके पीछे प्रमुख कारण बताए जाते हैं जो इस प्रकार हैंरू पहला, विकास दर की चुनौतीरू विकसित देशों की श्रेणी में पहुँचने के लिए भारत को लंबे समय तक लगभग 7द्व8ः या उससे अधिक वास्तविक जीडीपी (ळक्च) वृद्धि बनाए रखनी होगी। यदि वृद्धि 6ः के आसपास रहती है, तो लक्ष्य पीछे खिसक सकता है।दूसरा, प्रति व्यक्ति आय कम होनारू भारत की कुल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन बड़ी आबादी के कारण प्रति व्यक्ति आय अभी विकसित देशों से काफी कम है। तीसरा, रोजगार और उत्पादकतारू उच्च आर्थिक वृद्धि के साथ गुणवत्तापूर्ण रोजगार और श्रम उत्पादकता में तेज सुधार आवश्यक है। चौथा, विनिर्माण क्षेत्र की धीमी प्रगतिरू यदि मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात अपेक्षित गति से नहीं बढ़ते, तो आय वृद्धि सीमित रह सकती है।पांचवां, शिक्षा और स्वास्थ्यरू मानव पूंजी में निवेश पर्याप्त न होने पर दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। छठा, बुनियादी ढाँचा और संस्थागत सुधाररू न्यायिक दक्षता, भूमि, श्रम और प्रशासनिक सुधारों की गति भी निर्णायक मानी जाती है।वहीं, दूसरी ओर, 2047 के लक्ष्य के समर्थन में भी मजबूत तर्क हैं क्योंकि भारत में सत्ता प्रतिष्ठान के रिकॉर्ड दर रिकॉर्ड को तोड़ती जा रही भाजपा नीत राजग की नरेंद्र मोदी सरकार के लिए विकसित भारत 2047 एक ड्रीम प्रोजेक्ट है।

ब्रिक्स देशों में पोषण संवर्धन के लिए खाद्य भंडार

डॉ. स्वाति नायक

जलवायु से जुड़ी चुनौतियों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान अक्सर वैश्विक खाद्य अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं, जिससे ब्रिक्स समूह को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। खाद्य भंडारों, जिन्हें अक्सर आपातकालीन स्टॉक के रूप में देखा जाता है, को अब पोषण सुदृढ़ता, स्थिरता और तेजी से बदलती बाजार और सामाजिक प्रणालियों के हिसाब से नए सिरे से व्यवस्थित करने की जरूरत है।

हालांकि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए रणनीतिक भंडार बनाए रखना महत्वपूर्ण है, लेकिन अभी सवाल यह है कि जलवायु और व्यापार की अनिश्चितताओं के साथ–साथ भूख और कुपोषण की लगातार मौजूद समस्याओं के जवाब में किस तरह के भंडार निर्मित किये जाने चाहिए। विश्व बैंकदृएफएओदृडब्ल्यूएफपी रिपोर्ट (2025) – खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए रणनीतिक अनाज भंडार को मजबूत करना – में बताया गया है कि 2024 में 74 देशों में 343 मिलियन लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे। यह संख्या कोविड–19 महामारी से पहले के सालों में खाद्य असुरक्षा का सामना करने वाले लोगों की संख्या से लगभग दोगुनी है। बहु–स्तरीय आर्थिक उथल–पुथल से व्यापार में व्यवधान हुए हैं और भूख में वृद्धि हुई है, इन सभी ने खाद्य सुरक्षा के लिए नए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। 2026 में हालात और भी खराब हो गए। विश्व बैंक के अनुसार, पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल और उर्वरक का परिवहन प्रभावित हुआ है, जो वैश्विक कृषि–खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। फरवरी से मार्च 2026 के बीच उर्वरकों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई, जिसमें यूरिया की कीमत एक ही महीने में लगभग 46 प्रतिशत बढ़ गई। विश्व खाद्य कार्यक्रम के पूर्वानुमानों के अनुसार, लगातार व्यवधान के कारण 45 मिलियन तक लोग भुखमरी की स्थिति में पहुंच सकते हैं। यह ब्रिक्स देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इनमें से अधिकांश देश प्रमुख कृषि उत्पादकदृआयातक और उर्वरक के उपभोक्ता दोनों हैं। हालांकि, खाद्य भंडारों के बारे में पारंपरिक सोच अब पुरानी पड़ती जा रही है। पारंपरिक रूप से, खाद्य भंडार बनाने का उद्देश्य मुख्य रूप से कीमतों को स्थिर रखना या अस्थायी कमी से निपटना था। दूसरी ओर, आधुनिक समस्या अधिक जटिल है और इसके लिए ऐसे उपायों की जरूरत है जो न सिर्फ पर्याप्त कैलोरी की गारंटी दें, बल्कि खाद्य के पोषण संतुलित होने, किफायती होने और व्यक्तियों के बीच लगातार उपलब्ध होने की भी गारंटी दें। यूरोपीय आयोग की संश्लेषण रिपोर्ट – श्विकासशील देशों में खाद्य और पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए खाद्य भंडार का उपयोगश – के अनुसार, खाद्य और पोषण सुरक्षाय अनाज की भौतिक उपलब्धता से कहीं अधिक है।ब्रिक्स देशों के संदर्भ में यह परिवर्तन और भी महत्वपूर्ण बन गया है, जहाँ भरपूर खाद्य संसाधन होने के बावजूद भी खाद्य संकट बरकरार है। उदाहरण के तौर पर, भारत ने 2024 से 2025 की अवधि में रिकॉर्ड 353.96 मिलियन टन अनाज का उत्पादन किया है, साथ ही दुनिया के सबसे बड़े खाद्य नेटवर्क में से एक को बनाए रखा है। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा श्फसल से घर तकरू अनाज भंडारण के लिए सुदृढ़ अवसंरचना का निर्माणश विषय पर 2025 में जारी एक पृष्ठभूमि विज्ञप्ति में इस तथ्य का उल्लेख किया गया था। भारत में उभरती हुई भंडार प्रणालियाँ यह दिखाती हैं कि भंडार केवल जमा किए गए अनाज से कहीं ज्यादा सक्रिय पोषण प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। वैज्ञानिक भंडारण, डिजिटलीकरण, विकेंद्रीकरण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ाव की प्रक्रिया प्रमुख अनाज – चावल और गेहूं – के साथ–साथ दालों, मोटे अनाजों और पोषण वर्धित खाद्य पदार्थों की जैविक पोषण वर्धित किस्मों को शामिल करके भंडार में विविधता लाने का मौका देती है। यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि भारत दुनिया के पोषण परिदृश्य में फसल विविधीकरण को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।इसी तरह, चीन भी अपने भंडारों को लेकर अपनी रणनीति को फिर से व्यवस्थित करने की कोशिश कर रहा है, एक ऐसे दृष्टिकोण के तहत, जो उसके खाद्य प्रणाली में सुदृढ़ता को ध्यान में रखता है। चावल, गेहूँ और मक्का का भारी स्टॉक जमा करने के साथ–साथ, बीजिंग अब स्मार्ट भंडारण, एआई–समर्थित खाद्य निगरानी, कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स और देसी बीजों पर ज्यादा ध्यान दे रहा है। अब खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में पोषण के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित करने पर अधिक ध्यान है, ताकि फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सके और विविध आहार प्राप्त किए जा सकें। रूस ने जो रास्ता अपनाया है, वह भंडार नीति के एक और पहलू का उदाहरण पेश करती है। यह भू–राजनीतिक सुदृढ़ता है। रूस ने खाद्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच स्पष्ट संबंध। बनाए हैं, अपने भंडार बढ़ाए हैं, कृषि क्षेत्र के लिए घरेलू उत्पादन पर ध्यान दिया है तथा पश्चिम एशिया और अफ्रीका में अनाज निर्यात और उर्वरकों का भू–राजनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग किया है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ प्रतिबंध, अलग–अलग व्यापारिक संबंध और निर्यात नियंत्रण आम होते जा रहे हैं, यह एक महत्वपूर्ण बात है।एक और उदाहरण मौजूद है जो अपने आप में बहुत अहम है दृ दक्षिण अफ्रीका। संपूर्ण खाद्य उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय, दक्षिण अफ्रीका की समस्याओं को अनाज की किफायती कीमत और पोषण तक पहुँच की कमी के रूप में देखा जा सकता है। इस मामले में, सरकार का ध्यान पोषण–संवेदनशील सामाजिक सुरक्षा, स्कूलों में खाना खिलाने की योजनाओं, सरकारी खरीद और सामुदायिक खाद्य प्रणालियों मौसम के असर से सुरक्षित बनाने पर जाता है। ऐसी स्थिति में, भंडार अधिकतर व्यापक अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने के साधन के बजाय पोषण कार्यक्रमों को लागू करने का एक उपकरण बन जाते हैं।इसके अलावा, विश्व बैंक,एफएओ,डब्ल्यूएफपी रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि रणनीतिक भंडार तब सबसे प्रभावी होते हैं, जब वे छोटे, सरल और स्मार्ट होते हैं और बाजार प्रबंधन के बजाय अधिकतर आपातकालीन प्रतिक्रिया पर केंद्रित होते हैं। इसी तरह, यूरोपीय आयोग की रिपोर्ट बताती है कि भंडार का स्तर तो मायने रखता ही है, लेकिन असल में शासन ही यह तय करती है कि भंडार खाद्य सुरक्षा नीति के लक्ष्यों में मदद करेंगे या उन्हें नुकसान पहुँचाएँगे।

आज का राशिफल

मेष राशि –
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपके लिए शुभ समाचार लाएगी।

वृष राशि –
आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके जीवन में नयी खुशियाआयेंगी। आज जो युवा घर से दूर रहकर किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं, उनका दिन बेहतर गुजरेगा।

मिथुन राशि–
आज आपका दिन शुभफलदायक रहेगा। घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं।

कर्क राशि–
आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको उचित समय की पहचान करनी होगी क्योंकि सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है।

सिंह राशि–
आज आपका दिन मिला–जुला अनुभव देने वाला रहेगा। किसी नजदीकी मित्र से मुलाकात आज मन को खुशी देगी और खास विषयों पर विचार–विमर्श भी होगा।

कन्या राशि–
आज आपका दिन पहले की अपेक्षा काफी बेहतर रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे।

तुला राशि–
आज आपका दिन बहुत ही उत्तम रहेगा। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का बुलावा आ सकता है।

वृश्चिक राशि–
आज आपकी दिनचर्या अनुशासित रहेगी जिससे आपकी समस्त गतिविधियां भी व्यवस्थित होती जाएंगी। उधार दिए हुए पैसों की आज वापसी संभव है।

धनु राशि–
आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक लाभ दिलवा सकती है।

मकर राशि–
आज का दिन आपके लिए शुभ अवसर प्रदान करने वाला रहेगा। अगर आप आज कोई बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो उसमें निश्चित ही सफल होने के योग बन रहे हैं ।

कुंभ राशि –
आज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरु करेंगे, उसमें सफल जरूर होंगे।

मीन राशि–
आज आपको जीवन में कुछ खास मौके मिल सकते हैं। आज आपको किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है, जो आपके काम की नई शुरुआत में आपकी मदद करेगा।

नीट में एईएसएल के छात्रों ने हासिल की शानदार सफलता

अयोध्या। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के छात्र हिंदुराज ने नीट यूजी 2026 परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 9289 हासिल कर अयोध्या सिटी टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि मेडिकल प्रवेश परीक्षा में उत्कृष्ट शिक्षा और विशेषज्ञ मार्गदर्शन के माध्यम से छात्रों के भविष्य को संवारने की दिशा में एईएसएल की प्रतिबद्धता को एक बार फिर साबित करती है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित नीट यूजी 2026 के परिणामों में अयोध्या सिटी टॉपर हिंदुराज यादव ने 720 में से 602 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 9289 हासिल की। वहीं, फलक जहरा ने 597 अंक के साथ एआईआर 11030, बभ्रावी श्रीवास्तव ने 591 अंक के साथ एआईआर 13431, दिवाकर साहू ने 589 अंक के साथ एआईआर 13998, ऋचा यादव ने 588 अंक के साथ एआईआर 14519, मिश्कात नूर ने 584 अंक के साथ एआईआर16199 तथा अमन प्रजापति ने 584 अंक प्राप्त कर एआईआर 16315 हासिल की। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जारी टॉप 138 की सूची के अनुसार, उत्तर प्रदेश में आकाश के छात्रों नेनीट यूजी 2026 में शानदार प्रदर्शन किया है। आकाश के छात्र आर्यन दुबे ने स्टेट रैंक 1, वंशम सिंह ने स्टेट रैंक 3, एकाग्र यादव ने स्टेट रैंक 5, श्रीनारायण हरि मिश्रा ने स्टेट रैंक 6, अरिमा झा ने स्टेट रैंक 7 तथा कृष्णा यादव ने स्टेट रैंक 8 हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। नीट 2026 में इस वर्ष भी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में अपनी अग्रणी पहचान को और मजबूत किया है। इस वर्ष संस्थान के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार सफलता हासिल की है। आकाश के 4 छात्रों ने ऑल इंडिया टॉप 10, 18 छात्रों ने टॉप 50 तथा 41 छात्रों ने टॉप 100 में स्थान बनाया है। यह उपलब्धि संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुभवी फैकल्टी, वैज्ञानिक शिक्षण पद्धति, व्यापक अध्ययन सामग्री, नियमित टेस्ट और व्यक्तिगत मार्गदर्शन की मजबूत व्यवस्था को दर्शाती है। अपनी सफलता पर छात्रों ने कहा, नीट यूजी 2026 में एआईआर हासिल करना मेरे लिए बेहद गर्व और खुशी का क्षण है। इस सफलता के लिए अनुशासन, निरंतर मेहनत और लगातार सीखते रहने की आवश्यकता थी। आकाश के शिक्षकों के मार्गदर्शन ने मेरे कॉन्सेप्ट मजबूत किए, मेरी तैयारी की रणनीति को बेहतर बनाया और पूरे सफर के दौरान मुझे प्रेरित रखा। मैं अपने माता–पिता और शिक्षकों का दिल से आभारी हूं, जिन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया। इस उपलब्धि पर डी के मिश्रा – क्षेत्रीय निदेशक, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने कहा, हम हिंदुराज को नीट यूजी 2026 में एआईआर 9289 प्राप्त करने और अयोध्या सिटी टॉपर बनने पर हार्दिक बधाई देते हैं। यह सफलता छात्र की कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प तथा अभिभावकों और शिक्षकों के सहयोग का परिणाम है। एईएसएल का हमेशा प्रयास रहा है कि छात्रों को मजबूत शैक्षणिक आधार, व्यक्तिगत मार्गदर्शन और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें। पिछले एक दशक में आकाश के छात्रों ने 13 बार एआईआर 1 हासिल किया है।

शंकराचार्य ने राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण पर ट्रस्ट व सरकार पर साधा निशाना

अयोध्या। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शुक्रवार को गौ माता को राष्ट्र माता घोषित कराने की मांग को लेकर निकाली जा रही जनजागरण यात्रा के तहत अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी प्रकरण को लेकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। शंकराचार्य ने कहा कि राम मंदिर के कोष में चोरी होने का आरोप सामने आने के बाद भी ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरी ने नैतिक जिम्मेदारी नहीं ली। उन्होंने कहा कि यदि कोष में चोरी हुई है तो इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोग केवल "बलि का बकरा" बनाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी गई, लेकिन चंपत राय के इस्तीफे को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई। उनका दावा था कि चंपत राय ने वास्तव में इस्तीफा नहीं दिया, बल्कि केवल इसके प्रचार–प्रसार का प्रयास किया गया। शंकराचार्य ने कहा कि उनकी यात्रा का उद्देश्य गौ माता को राष्ट्र माता घोषित किए जाने के पक्ष में जनसमर्थन जुटाना है। उन्होंने कहा कि यह जनजागरण यात्रा रुदौली से शुरू होकर मिल्कीपुर, बीकापुर, गोसाईगंज होते हुए अयोध्या विधानसभा क्षेत्र तक जाएगी। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। यात्रा के माध्यम से गौ संरक्षण और गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती अपनी गौमाता जनजागरण यात्रा के क्रम में शुक्रवार को मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र पहुंचे। यात्रा के दौरान अमानीगंज से लेकर मिल्कीपुर बाजार और विभिन्न चौराहों पर श्रद्धालुओं, गौभक्तों तथा समाजवादी पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। दोपहर करीब एक बजे शंकराचार्य सांसद अवधेश प्रसाद के पांच नंबर स्थित आवास पहुंचे, जहां आयोजित पादुका पूजन कार्यक्रम में उन्होंने भाग लिया। इस अवसर पर सांसद अवधेश प्रसाद, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सोना देवी, अजीत प्रसाद और अमित प्रसाद ने परिवार सहित शंकराचार्य की पादुकाओं का विधिवत पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गौ सेवा एवं जनजागरण अभियान को आगे बढ़ाने के लिए लवलेश पांडे और अखिलेश पांडे, राम जी पाल को मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र का अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया।कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव, मिल्कीपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अजीत प्रसाद, अमित प्रसाद, राघवेंद्र प्रताप सिंह श्अनूपश, पृथ्वीराज यादव, विकास सिंह (छोटू), रामजी पाल, सोनू तिवारी, महेश शर्मा, वेद प्रकाश यादव, संतोष यादव, पंकज शुक्ला, महेंद्र यादव, राम लहु यादव, राम बहादुर यादव, रमेश रावत,विकास यादव सहित बड़ी संख्या में गौभक्त, सनातन धर्मावलंबी, समाजवादी पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्व व भूमि संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग

अयोध्या। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिला अध्यक्ष अरविंद यादव के नेतृत्व में किसानों एवं ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सहायक अभिलेख अधिकारी,को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में वर्ष 1984 से लंबित माझा बरहटा, माझा तिहुरा, सीतारामपुर, माझा दुर्गागंज, माझा रामपुर एवं हल्लवारा के सर्वे बंदोबस्त कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग की गई। साथ ही किसानों की विभिन्न राजस्व एवं भूमि संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान की भी मांग की गई। पंचायत को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के वरिष्ठ प्रदेश सचिव रामजन्म वर्मा ने कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो जनपद अयोध्या में राष्ट्रीय स्तर की किसान पंचायत आयोजित की जाएगी। जिला अध्यक्ष अरविंद यादव ने कहा कि किसानों के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि प्रशासन ने समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया तो भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। इस अवसर पर प्रदेश सचिव जगतपाल सिंहमहिला जिला अध्यक्ष सविता मौर्य, राजरानी, जेपी किसान, राम सुरेश, अमलोक, रामजीत पांडे, अमरनाथ वर्मा, बद्री विशाल, रामसूरत, दीपचंद, तारा देवी, शांति देवी, महानगर अध्यक्ष अजय यादव, सुमन, लाल बहादुर, रामप्रताप विश्वकर्मा सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

विद्यालयी शूटिंग प्रतियोगिता में कनौसा की अंशिका व एसएसवी के आलिम बने विजेता

अयोध्या। शहर के एसएसवी इंटर कॉलेज में शुक्रवार को माध्यमिक शिक्षा विभाग की जनपदीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वार्षिक खेल के तहत आयोजित शूटिंग प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में कनोसा कान्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज की शूटिंग खिलाड़ी अंशिका सिंह और बालक वर्ग में एसएसवी इंटर कॉलेज के शूटिंग खिलाड़ी आलिम जफर खान विजेता बने। शूटिंग प्रतियोगिता 14, 17 व 19 आयु बालक – बालिका वर्ग में आयोजित हुई। प्रतियोगिता संयोजक एसएसवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ.मणिशंकर तिवारी ने पिस्टल से फायर करके प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता की प्रथम सीढ़ी ही लगन और परिश्रम है। जिसके संकल्प मजबूत होते हैं उन्हें सफलता प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। डॉ.तिवारी ने शिक्षा के साथ खेल गतिविधि में रुचि लेने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन भी किया। प्रतियोगिता को व्यवस्थित तरीके से आयोजित कराने में एसएसवी स्कूल के शिक्षक जयेंद्र पाठक, नेशनल पिस्टल शूटर भास्कर पाण्डेय, ब्लाक हैरिंगटनगंज के पीटीआई व शूटिंग खिलाड़ी डॉ.अजय सिंह की भूमिका अहम रही। प्रतियोगिता के आरंभ में एसएसवी स्कूल के शिक्षक जयेंद्र पाठक व अन्य शिक्षकों ने निर्णायक टीम का स्वागत किया। एसएसवी स्कूल के शिक्षक जयेंद्र पाठक ने बताया कि प्रतियोगिता में कनोसा स्कूल की अंशिका सिंह ने 400 में 321 जबकि एसएसवी स्कूल के आलीम जफर खान ने 400 में से 329 स्कोर हासिल किया। अपने –अपने वर्ग के दोनों विजेता शूटिंग खिलाड़ी इस माह के अंतिम सप्ताह में अमेठी जनपद में आयोजित मंडलीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। इस दौरान कनोसा स्कूल की खेल शिक्षिका प्रिया मिश्रा, एसएसवी स्कूल के शिक्षक रविप्रकाश श्रीवास्तव, विवेकानंद पाण्डेय, नवीन यादव व अन्य मौजूद रहे। शूटिंग खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. पवन कुमार तिवारी, मंडलीय क्रीड़ा समिति के सचिव धर्मेंद्र सिंह और जिला क्रीड़ा समिति के सचिव अभिषेक सिंह ने बधाई दी।

श्रावण झूला मेला की तैयारियों को लेकर मंडलायुक्त ने की समीक्षा

अयोध्या। श्रावण मास–2026 के दौरान आयोजित होने वाले श्रावण झूला मेला, कांवड़ यात्रा एवं विभिन्न धार्मिक आयोजनों के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन को लेकर मंडलायुक्त राजेश कुमार की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीआईजी सोमेन वर्मा, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर, प्रभागीय वनाधिकारी प्रखर गुप्ता, अपर जिलाधिकारी नगर योगानंद पांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। श्रावण मास के चारों सोमवार क्रमशः 3 अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त एवं 24 अगस्त, 2026 को पड़ेंगे। इन अवसरों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों के अयोध्या आगमन की संभावना है। बताया गया कि श्रावण मास का प्रारंभ 30 जुलाई 2026 से होगा तथा कांवड़ यात्रा 8 अगस्त से शुरू होगी। श्रावण झूला मेला 15 अगस्त को मणिपर्वत झूलनोत्सव के साथ प्रारंभ होगा। इसके अतिरिक्त नागपंचमी, गोस्वामी तुलसीदास जयंती, पुत्रदा एकादशी, प्रदोष व्रत, शिवरात्रि तथा रक्षाबंधन सहित विभिन्न धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के अयोध्या आगमन की संभावना है। मंडलायुक्त ने कहा कि अयोध्या में बहराइच, गोंडा, बस्ती, अंबेडकरनगर, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली एवं बाराबंकी सहित अनेक जनपदों से श्रद्धालु एवं कांवड़िये पहुंचेंगे। ऐसे में सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, पेयजल, स्वास्थ्य, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। डीआईजी सोमेन वर्मा ने निर्देश दिए कि रूट चार्ट पूर्व निर्धारित किया जाए, घाटों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग की जाए तथा सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाया जाए। बैठक में विभिन्न विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। पुलिस विभाग को व्यापक सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात योजना तैयार करने, नगर निगम को घाटों एवं मेला क्षेत्रों में नियमित साफ–सफाई सुनिश्चित करने तथा जर्जर भवनों में श्रद्धालुओं के ठहराव पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग को एम्बुलेंस, ओआरएस, आवश्यक दवाइयों एवं एंटी–वेनम की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। विद्युत विभाग को कंट्रोल रूम की सतत निगरानी, विद्युत पोलों पर प्लास्टिक कवर लगाने, ट्रांसफार्मरों की बैरिकेडिंग करने तथा पंचकोसी मार्ग सहित प्रमुख मार्गों पर मेला प्रारंभ होने से पूर्व प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अयोध्या विकास प्राधिकरण को प्रमुख मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था, साफ–सफाई, प्रवेश द्वारों पर साइनेज की मरम्मत तथा सेल्फी प्वाइंट विकसित करने को कहा गया। खाद्य सुरक्षा विभाग को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित जांच एवं दुकानों पर रेट चार्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए गए। पशुपालन विभाग एवं नगर निगम को छुट्टा पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर संरक्षित करने, रोडवेज विभाग को अतिरिक्त बसों की व्यवस्था करने तथा रेलवे प्रशासन को आवश्यकता पड़ने पर विशेष ट्रेनों के संचालन के लिए तैयारी रखने को कहा गया।

उद्यान विभाग को सभी पार्कों में स्वच्छता एवं प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा पर्यटन विभाग को प्रमुख स्थलों पर हेल्प डेस्क स्थापित कर श्रद्धालुओं को आवश्यक जानकारी एवं सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही संबंधित विभागों को मार्गों पर झाड़ियों की कटाई–छंटाई एवं समुचित साफ–सफाई सुनिश्चित करने को भी कहा गया।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग

सोहावल–अयोध्या। बीकापुर विधानसभा अंतर्गत खजुराहट चौराहा पर बीकापुर विधानसभा से समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रत्याशी हाजी फिरोज खान गब्बर ने आदरणीय जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज की यात्रा का स्वागत करते हुए कहा कि आदरणीय जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज के प्रेरणादायी उद्बोधन को सुनने मौका मिला। फिरोज खान गब्बर ने संबोधित करते हुए कहा कि गौ–संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए शंकराचार्य का विचार अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुःख की बात है कि आज भी प्रदेश में गौवंश सड़कों पर भटकने को मजबूर हैं। इनके हितों की रक्षा के लिए सरकार को ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने चाहिए। शंकराचार्य ने संबोधित करते हुए कहा कि जब देश का मुस्लिम गाय को राष्ट्र माता घोषित किए जाने की मांग कर रहा है। तो आखिर वर्तमान सरकार को क्या दिक्कत है? हाजी फिरोज खान गब्बर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भारी संख्या देखकर शंकराचार्य ने हाजी फिरोज खान गब्बर की सराहना भी की। कार्यक्रम में हाजी फिरोज खान गब्बर ने शंकराचार्य को एक ज्ञापन सौंपते हुए गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग भी की। इस मौके पर बीकापुर ब्लाक के पूर्व ब्लाक प्रमुख अशोक यादव, वरिष्ठ सपा नेता संजय यादव, बीकापुर विधानसभा अध्यक्ष अजय वर्मा राजू, एजाज अहमद, बीकापुर ब्लाक अध्यक्ष गया प्रसाद यादव, मसौधा ब्लाक अध्यक्ष सूरज निषाद, सोहावल ब्लाक अध्यक्ष राजेश यादव, जिला पंचायत सदस्य अतुल यादव, पूर्व प्रधान गोविंद यादव, युवजन सभा के जिलाध्यक्ष जय सिंह यादव, पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डाक्टर गोविंद विश्वकर्मा, युवा नेता अखिलेश यादव, प्रधान उमा शंकर यादव, प्रधान बलराम यादव, विपिन यादव, अनमोल शर्मा, क्षेत्र पंचायत सदस्य विश्वजीत यादव, क्षेत्र पंचायत सदस्य दया शंकर भारती, सेक्टर प्रभारी अमर नाथ यादव, सेक्टर प्रभारी अंजनी यादव, सेक्टर प्रभारी सोनू यादव, सेक्टर प्रभारी मेवालाल चौहान, सेक्टर प्रभारी सोनू यादव, सेक्टर प्रभारी राजीव कोरी, राहुल पांडेय , लक्ष्मण तिवारी, मनोज पांड्येय, अनुभव प्रजापति, अमर रावत, मोहित यादव, प्रधान लवकुश यादव, अशोक यादव, कृष्ण कुमार निषाद, प्रेम कुमार निषाद, प्रेम लाल निषाद, आलोक कुमार निषाद, मंशा राम निषाद, राम सुभावन यादव, सेक्टर प्रभारी मोहम्मद सारुन, रईस अहमद, शोएब खान, नफीस अहमद, निजाम खान, इसरार अहमद, मोहम्मद अकरम आदि मौजूद रहे।

गांव की समस्या गांव में ही समाधान के तहत लगाई चौपाल

सोहावल–अयोध्या। विधानसभा बीकापुर के सोहावल ब्लाक की ग्राम पंचायत जगनपुर में आयोजित चौपाल में उपस्थित ग्रामवासियों की समस्याओं को बीकापुर विधायक ने सुना तथा उनके शीघ्र समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया । साथ ही गोदभराई एवं नवजात शिशुओं को अन्नप्राशन किया।बीकापुर विधायक डा0 अमित सिंह चौहान ने तहसील और ब्लाक के अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं के लिये आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार रेशू जैन भाजपा के वरिष्ठ नेता सूर्य प्रसाद श्रीवास्तव, रमेश सिंह, राजा सिंह चौहान आदि सहित ब्लाक और तहसील के अधिकारी और कर्मचारी आदि सहित स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक

मेरठ विकास भवन सभागार में मा0 सांसद श्री अरूण चंद्रप्रकाश गोविल की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आहूत की गयी। बैठक में जनपद में समस्त विभागो में संचालित योजनाओ के क्रियान्वयन एवं प्रगति की बिन्दुवार समीक्षा करते हुये मा0 सांसद ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओ का लाभ लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचाया जाये। इस अवसर जिलाधिकारी द्वारा मा0 सांसद सहित समस्त मा0 जनप्रतिनिधियो का स्मृति चिन्ह, शॉल ओढाकर व पौधा भेंटकर स्वागत किया गया ।बैठक में उपस्थित मा0 जनप्रतिनिधियो द्वारा विद्युत, लोक निर्माण, कृषि, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, डूडा, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, शिक्षा, सिंचाई, जल निगम, पशुपालन, एनएचएआई आदि विभागो की योजनाओ की समीक्षा की गई व आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये। मा0 सांसद ने कहा कि सभी विभाग अपनी योजनाओ की नियमित मॉनीटरिंग करें तथा प्राप्त आवेदनो, उनके निस्तारण और लाभार्थियो की संख्या पर विशेष ध्यान देते हुये कार्य करें। उन्होने विभागो को आपसी समन्वय स्थापित कर जनसमस्याओ का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए ।बैठक में आयुष्मान योजना के अंतर्गत मरीजो से अतिरिक्त धनराशि वसूले जाने की शिकायत के संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि नियमित जांच की जा रही है और किसी भी मरीज से अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जा रहा है ।जिलाधिकारी डा0 वी0के0 सिंह द्वारा समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा उठायी गयी समस्याएं एवं दिये गये सुझावों का अक्षरशः पालन करते हुये कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। इस अवसर पर पर मा0 सांसद श्री हरेन्द्र मलिक, मा0 राज्यमंत्री (स्वंतत्र प्रभार) डा0 सोमेन्द्र तोमर, महापौर श्री हरिकांत अहलूवालिया, मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गौरव चौधरी, मा0 विधायक मेरठ कैंट श्री अमित अग्रवाल, मा0 विधायक सिवालखास श्री गुलाम मौहम्मद, मा0 विधायक सरधना श्री अतुल प्रधान, मा0 एमएलसी श्री धर्मेन्द्र भारद्वाज, मा0 एमएलसी श्री अश्वनी त्यागी, जिलाधिकारी डा0 वी0के0 सिंह, एसएसपी अविनाश पांडे, नगर आयुक्त सौरभ गंगवार, सीडीओ नूपुर गोयल, डीएफओ वंदना फोगाट, सीएमओ डा0 राम प्रसाद, अपर जिलाधिकारी प्रशासन सत्य प्रकाश सिंह, पीडीडीआरडीए सुनील कुमार सिंह, उप कृषि निदेशक नीलेश चौरसिया, जिला कृषि अधिकारी राजीव कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ट्रस्ट को भंग करने के लिए हिंदू महासभा ने उप निबंधक नई दिल्ली को सौंपा ज्ञापन

अयोध्या। हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडेय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन रद्द करने के लिए नई दिल्ली के उप निबंधक भास्कर प्रियदर्शी को ज्ञापन मांग पत्र सौंप कर ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन तत्काल प्रभाव से भंग किए जाने की मांग की है। श्री पांडेय द्वारा दिए गए ज्ञापन ध्मांग पत्र में कहा गया है कि ट्रस्ट के पदाधिकारी गणों द्वारा नियुक्त किया कर्मचारियों की मिलीभगत के चलते राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी ,पैसों का गबन, श्रद्धालुओं द्वारा दान की गई वस्तुओं में हेरा फेरी, तथा ट्रस्ट के नाम पर जमीन खरीद में हेरा फेरी व भ्रष्टाचार, कमीशन खोरी, की पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं, ज्ञापन में यह भी कहा गया की राम मंदिर निर्माण में लगी हुई कंपनियों को जो वे संदेह के घेरे में थी अर्थात ब्लैक लिस्टेड थी उन्हें निर्माण कार्य की जिम्मेदारी देकर सदस्यों ने कमीशन प्राप्त किया, ज्ञापन में यह भी कहा गया कि ट्रस्ट का निर्माण गबन, चोरी, हेरा फेरी और कमीशन प्राप्त करना ही मुख्य उद्देश्य था, ज्ञापन में आगे कहा गया कि ट्रस्ट को अगर भंग नहीं किया गया तो यह लूटपाट निरंतर जारी रहेगी, श्री पांडेय द्वारा सौंप गए ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि अगर ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन रद्द नहीं किया गया तो ट्रस्ट के धन का व्यक्तिगत कार्यों में ट्रस्ट के पदाधिकारी प्रयोग करते रहेंगे, ट्रस्ट के सदस्य द्वारा आपराधिक न्याय भंग किया गया है यही नहीं ट्रस्ट का निर्माण दूषित मानसिकता से किया गया था, ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी द्वारा अपने दायित्वों की पूर्ति नहीं की गई, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी जी मात्र रबर स्टैंप के रूप में कार्य कर रहे थे, कोषाध्यक्ष अपने दायित्व की पूर्ति करने में पूर्ण रूप से असफल सिद्ध हुए हैं इसीलिए इस ट्रस्ट की पूरी जांच करते हुए इसके रजिस्ट्रेशन को तत्काल प्रभाव से रद्द करें। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर महेंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि ट्रस्ट में चोरी गबन हेरा फेरी की घटना से संपूर्ण हिंदू समाज आहत हुआ है अगर इसे तत्काल प्रभाव से भंग नहीं किया गया तो हिंदू समाज सड़क पर उतरकर भारी प्रदर्शन करेगा राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का गठन माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश से हुआ था राम जन्मभूमि में हिंदू महासभा के योगदान को नकारा नहीं जा सकता सर्वप्रथम आंदोलन हिंदू महासभा द्वारा ही प्रारंभ किया गया था किंतु ट्रस्ट में हिंदू महासभा को जगह नहीं दी गई, राम जन्मभूमि आंदोलन में अनेक संगठनों वीर बलिदानी कार सेवकों ने अपना योगदान दिया था

सुभारती विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों का वर्चुअल एल्यूमनी संगम 2.0 का शानदार आयोजन

मेरठः स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र न्यास के द्वारा आयोजित वर्चूअल एल्यूमनी मीट 2. 0 का शानदार आयोजन हुआ। इस एल्यूमनी मीट के लिए 1000 से अधिक पूर्व छात्रों ने पंजिकरण कराया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ.) मुनीश सी. रेड्डी, विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. (डॉ.) शल्या राज, कार्यकारी अधिकारी प्रो.(डॉ.) कृष्णामूर्ति, पूर्व छात्र न्यास की चेयरपर्सन अवनी कमल, प्रेसिडेंट डॉ. नूपूर कौशिक सहित विश्वविद्यालय के सभी संकायों एवं विभागों के संकायाध्यक्ष व विभागाध्यक्ष तथा एल्यूमनी संयोजकों के साथ–साथ सुभारती विश्वविद्यालय के विस्तृत पूर्व छात्र परिवार के सदस्यों ने हिस्सा लिया ।एल्यूमनी संगम 2.0 का शुभारंभ न्यास की प्रेसिडेंट डॉ. नूपूर कौशिक के स्वागत संबोधन के साथ हुआ। अपने संबोधन में डॉ. नूपूर कौशिक ने कहा कि यह आयोजन विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो.(डॉ.) शल्या राज एवं पूर्व छात्र न्यास की चेयरपर्सन सुश्री अवनीकमल के मार्गदर्शन एवं प्रणा से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) सी. मुनीश ने कहा कि एल्यूमनी किसी भी विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी उपलब्धि और उसकी जीवंत पहचान होते हैं। पूर्व छात्र अपने अनुभव, ज्ञान और उपलब्धियों के माध्यम से न केवल संस्थान का गौरव बढ़ाते हैं, बल्कि वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनते हैं। डॉ. कृष्णामूर्ति ने कहा कि जब कभी हमारे एल्यूमनी मेरठ आना चाहें तो उनका उनके अपने सुभारती परिसर में हृदय से स्वागत रहेगा। इस कार्यक्रम के संयोजन एवं आयोजन में डॉ. रूबी राजपूत, इंजी. गुरुसेवक केसरवानी, अल्माश सैफी, डॉ. राखी कुमारी, डॉ. शालु नेहरा, डॉ. उदित, राम प्रकाश तिवारी, डॉ. कपिल रस्तोगी, अंकित जादौन, रश्मिका कश्यप, सचिन के साथ तकनीकि संयोजन जतिन कुमार, अंशुल चौधरी, शुभम कौशिक, दीपक आदि का रहा।

सेंट्रल मार्केट पुलिस ने आधी रात को दिए नोटिस, सुबह अधिकारियों ने वार्ता के लिए बुलाया

मेरठ। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से प्रभावित शास्त्रीनगर के स्कूल व अस्पताल संचालकों सहित व्यापारियों द्वारा शनिवार को कमिश्नरी चौराहे पर विशाल प्रदर्शन के ऐलान के चलते देर रात ही पुलिस–प्रशासन मुस्तैद हो गया। शास्त्रीनगर में धरना दे रही महिलाओं के घरों पर आधी रात को पहुंची पुलिस ने उन्हें नोटिस तामील कराए। जिसमें कानून–व्यवस्था प्रभावित होने की सूरत में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्यवाही की चेतावनी दी गई। वहीं शनिवार की सुबह प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों और महिलाओं को आवास विकास कार्यालय में वार्ता के लिए बुलाते हुए राहत दिए जाने को लेकर सुझाव मांगे ।धरने में शामिल महिलाओं ने बताया कि शुक्रवार की रात करीब 12रू00 बजे पुलिस राधा गुप्ता, शालू शर्मा सहित कई महिलाओं के घरों पर पहुंची। जहां पुलिस ने महिलाओं को नोटिस देते हुए हिदायत दी कि यदि शनिवार को कमिश्नरी पर धरने–प्रदर्शन के दौरान कानून–व्यवस्था प्रभावित होती है तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। शनिवार की सुबह मामले की जानकारी मिलते ही व्यापारियों में आक्रोश फैल गया। उधर, पुलिस–प्रशासनिक और आवास विकास के अधिकारियों ने सुबह 11रू00 बजे व्यापारियों और महिलाओं को आवास विकास कार्यालय में वार्ता के लिए बुलाया। जहां एडीएम सिटी बृजेश सिंह, एसपी सिटी विनायक भोंसले और आवास विकास के अधिकारी मौजूद रहे।

व्यापारियों और महिलाओं ने बताया कि पुलिस–प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चिन्हित किए गए सभी भवनों में सेटबैक छोड़ना होगा। साथ ही वादा किया कि जो व्यापारी इस कार्रवाई से प्रभावित होंगे, उन्हें डेढ़ साल के भीतर किसी अन्य स्थान पर दुकानें दी जाएंगी। वहीं, व्यापारियों का कहना था कि रोजगार खत्म होने के बाद वह जैसे–तैसे परिवार चला रहे हैं। ऐसे हालात में वह दुकानों के लिए कोई भुगतान नहीं कर सकते। उन्हें किसी अन्य स्थान पर निःशुल्क दुकान उपलब्ध कराई जाए।

भीषण गर्मी में कालेज की कई छात्राओं की तबीयत बिगड़ी, मची अफरातफरी

सरधना (मेरठ)। सरधना कस्बे में थाना के पीछे स्थित संत जोसेफ गर्ल्स डिग्री कालेज में शनिवार सुबह लो वोल्टेज की समस्या के कारण भीषण गर्मी में छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली का वोल्टेज इतना कम थी कि कक्षाओं में लगे पंखे बेहद धीमी गति से चलते रहे। उमस और तेज गर्मी के कारण कई छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। जिससे कालेज परिसर में अफरातफरी मच गई। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसके बाद प्रशासन हरकत में आ गया ।संत जोसेफ गर्ल्स डिग्री कालेज की प्रोफेसर डा. मोनिका शर्मा ने बताया कि शनिवार सुबह से ही कालेज में बिजली के एक फेस खराब होने के चलते पूरे परिसर में लो वोल्टेज की समस्या थी। करीब साढ़े दस बजे कक्षाओं में पंखे बहुत धीमी गति से चल रहे थे। जिसके बाद भीषण गर्मी और उमस के कारण कई छात्राओं की तबीयत खराब हो गई ।इसके बाद छात्राएं कक्षाओं से बाहर आई और परिसर में जाकर बैठ गई। घटना की सूचना मिलते ही ऊर्जा निगम की टीम मौके पर पहुंची और तकनीकी खराबी को दूर कर बिजली आपूर्ति सुचारू कर दी।

डीएम ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर देखी व्यवस्थाएं, दिए निर्देश

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने शुक्रवार संयुक्त जिला चिकित्सालय, चित्रकूट का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं एवं निर्माणाधीन, नवनिर्मित सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शैलेन्द्र कुमार, कनिष्ठ अभियन्ता सिविल ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, चीफ फार्मासिस्ट अशोक कुमार चन्देल, डीपीएम आरके करवरिया सहित चिकित्सालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।डीएम ने चार आईसीयू बेड, 8 एचडीयू बेड व 20 ऑक्सीजन सपोर्ट बेड तथा 32 बीडीपी केयर यूनिट का निरीक्षण किया। जिस पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि उपरोक्त इकाई के एक भवन में 20 शैय्याओं की व्यवस्था है और उसी सटे एक भवन में 12 शैय्या है। जिसमें 20 शैय्याओं वाले भवन को पीडिया वार्ड के रूप में उपयोग किया जा रहा है तथा 12 शैय्याओं वाले भवन में 04 शैय्यायें आईसीयू व 08 शैय्या एचडीयू की हैं। जिसका शुभारम्भ किया जाना प्रस्तावित है। उपरोक्त इकाई के संचालन हेतु एनएचएम अन्तर्गत 12–स्टाफ नर्स और 06–आउटसोर्स चतुर्थ श्रेणी के पद संविदा पर सृजित हैं। उक्त इकाई के संचालन हेतु जिलाधिकारी द्वारा मौके पर उपस्थित मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिये गये कि सम्बन्धित उच्चाधिकारियों को पत्राचार कर पर्याप्त मानव संसाधन की मांग करें और प्राप्त दिशा–निर्देशों में जो मानव संसाधन जनपद स्तर पर रखे जाने हैं उनकी तत्काल नियमानुसार तैनाती करते हुये तदनुसार उनके पदनुरूप कार्य लेना सुनिश्चित करें।तत्पश्चात् जिलाधिकारी द्वारा 20 शैय्या वाले भवन का निरीक्षण किया गया। जिसमें पीडियाट्रिक वार्ड संचालित है। उक्त वार्ड में जिलाधिकारी द्वारा उक्त इकाई की ड्यूटी तालिका का अवलोकन किया गया तथा वार्ड में भर्ती रोगियों से उनके स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की और रोगियों के परिजनों से भी बात की। जिस पर वार्ड में भर्ती एक रोगी द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि समस्त औषधियों चिकित्सालय से प्राप्त हो रही हैं और मेरा रोगी को स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है।ओपीडी रजिस्ट्रेशन हाल हेतु चिन्हित भूमि जिलाधिकारी द्वारा चिकित्सालय में ओपीडी रजिस्ट्रेशन हाल के निर्माण हेतु चिन्हित भूमि का निरीक्षण करते हुये ओपीडी रजिस्ट्रेशन हाल का निर्माण कार्य शीघ्र अति शीघ्र कराये जाने के निर्देश अवर अभियन्ता को दिये गये।जिलाधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय एवं आरो प्लांट के बारे में पूंछे जाने पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया कि चिकित्सालय में स्थापित शौचालय एवं आरो प्लांट क्रियाशील हैं और उपचार हेतु चिकित्सालय आने वाले रोगी व उनके तीमारदार उक्त लाभान्वित हो रहे हैं। चिकित्सालय परिसर में संचालित प्रेरणा कैन्टीनः निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय परिसर में संचालित प्रेरणा कैन्टीन का भी जिलाधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया तथा मौके पर उपस्थित कैन्टीन संचालक द्वारा कोई भी मिलेट्स का उपयोग न किये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि प्रातः स्वयं कैन्टीन का निरीक्षण करें तथा कैन्टीन संचालक को पौष्टिक रेसिपी अथवा उत्पादन के बारे में जानकारी दें व सुनिश्चित करें कि रोगियों व उनके तीमारदारों को इसका लाभ मिल सके। अन्त मेंजिलाधिकारी द्वारा चिकित्सालय परिसर के बाहर चिकित्सालय की रिक्त भूमि में मिट्टी के भराव के बारे में अवर अभियन्ता सिविल से जानकारी लेते हुये वहीं पर उपस्थित अवर अभियन्ता सिविल, को उक्त रिक्त भूमि का उपयोग गाड़िया खड़ी करने में किये जाने के निर्देश दिये गये।

बिसवां पर निकला ताजिया जुलूस, या हुसैन की गूंजी सदाएं

फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष क्षेत्र स्थित ग्राम काजीपुर में इमाम हुसैन (अ.स.) के बिसवाँ पर आयोजित ऐतिहासिक ताजिया जुलूस इस वर्ष अपनी भव्यता, अनुशासन और धार्मिक गरिमा के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। नवाबिया कमेटी की सरपरस्ती में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों अजादारों ने कर्बला के शहीदों को खिध्राज–ए–अकीदत पेश किया। विश्वविख्यात नौहाखधन सैय्यद अमीर हसन आमिर ने काजीपुर पहुंचकर इमाम हुसैन (अ.स.) की बारगाह में पुरसा पेश किया। उनकी आमद की खबर मिलते ही प्रयागराज, वाराणसी, कौशांबी, रायबरेली, बाराबंकी, बांदा, कानपुर, सुल्तानपुर, अमेठी सहित आसपास के कई जनपदों और दर्जनों गांवों से हजारों की संख्या में अजादार काजीपुर पहुंच गए। उन्होने बुलंद आवाज में कर्बला के शहीदों की याद में ऐसे कलाम पेश किए कि पूरा माहौल गम और अकीदत में डूब गया। कार्यक्रम में जेहिदपुर की अंजुमन हुसैनिया के प्रसिद्ध नौहाखधन हुसैन वारसी और बड़ा गांव के प्रसिद्द नौहाख्वान उस्मान अली ने भी प्रभावशाली नौहे पेश किए। रातभर नौहाख्वानी, मातम, इबादत और कर्बला के शहीदों की याद में मजलिसों का सिलसिला चलता रहा। सुबह ताजिए को पारंपरिक रस्मों के साथ उठाया गया और अपने कदीमी रास्तों से होते हुए पूरे गांव में जुलूस निकाला गया। रास्ते भर अजादार सीना–जनी करते हुए इमाम हुसैन (अ.स.) को पुरसा पेश करते रहे। प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद उमर एवं उनके बड़े भाई, पूर्व प्रधान मोहम्मद अहमद भी पूरे जुलूस के दौरान मौजूद रहे। समापन पर मकसूद अली ने सभी आभार व्यक्त किया। इस धार्मिक आयोजन में साइबर जर्नलिस्ट एसोसिएशन (सीजेए) के राष्ट्रीय महासचिव शीबू खान तथा प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार शहंशाह आब्दी भी पूरी रात मौजूद रहे। उन्होंने अपने साथियों के साथ करबला के शहीदों की बारगाह में हाजिरी देकर इमाम हुसैन (अ.स.) को पुरसा पेश किया।

पुलिस ने माक ड्रिल कर परखी न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था

मीरजापुर। अचानक से न्यायालय परिसर में पुलिस फोर्स की आवा–जाही और पुलिस वाहनों के सायरन से न्यायालय परिसर में मौजूद अधिवक्ताओं से लेकर वादकारियों में कौतूहल व्याप्त हो गया था हर को पुलिस को कोतूहलवश नजरों से देखते हुए जानने के लिए उत्सुक था कि हुआ क्या है?दरअसल, शुक्रवार को मिर्जापुर न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाये रखने तथा प्रभावी क्रियाशीलता का परीक्षण करने के लिए वृहद मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। 17 जुलाई 2026 को न्यायाधीश, सुरक्षा समिति के अध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति एवं कुशल दिशा–निर्देशन में न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य व सुदृढ़ बनाए रखने के लिए एक विशेष आकस्मिक सुरक्षा मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। उक्त सुरक्षा अभ्यास पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी नगर एवं क्षेत्राधिकारी अभिसूचना के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक (सुरक्षा प्रभारी) की प्रत्यक्ष देखरेख में संपन्न हुआ, जिसमें स्थानीय पुलिस बल के साथ–साथ विभिन्न विशेषज्ञ सुरक्षा इकाइयों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। मॉक ड्रिल के दौरान बम निरोधक व श्वान दस्ता बम डिस्पोजल स्क्वाड और डॉग स्क्वाड द्वारा न्यायालय परिसर, वीआईपी रूम, कचहरी कक्षों तथा संवेदनशील गलियारों में सघन चेकिंग का अभ्यास किया गया और संदिग्ध वस्तुओं को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय करने का प्रदर्शन किया गया। अग्निशमन दल फायर ब्रिगेड टीम द्वारा परिसर में आकस्मिक अग्निकांड की स्थिति से निपटने, उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों की क्रियाशीलता की जांच करने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित निकास का सफल प्रदर्शन किया गया। त्वरित प्रतिक्रिया समय आपातकालीन अलार्म बजने पर सुरक्षा बलों की तत्परता और उनके मोर्चा संभालने के रिस्पांस टाइम को मापा गया, जो अत्यंत सराहनीय रहा। मॉक ड्रिल के दौरान न्यायालय सुरक्षा समिति के अध्यक्ष, अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी अभिसूचना सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण रहे मौजूद।

संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

लालगंज(मीरजापुर) थाना क्षेत्र के बामी गांव निवासी 38 वर्षीय लालबहादुर की संदिग्ध स्थिति में तबियत बिगड़ने के बाद मंडलीय अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लालगंज थाना क्षेत्र के बामी गांव के लालबहादुर पांच भाइयों में सबसे बड़े थे। वह अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ घर से तीन सौ मीटर की दूरी पर अलग घर बना कर रहते थे। गुरुवार की रात में वह अपने घर में अकेले थे, पड़ोस के लोगों ने लाल बहादुर की मां और भाइयो को बताया की लालबहादुर उल्टी करने के बाद जमीन पर अचेतावस्था में पड़ा है। पत्नी दोनों बच्चों के साथ अपने मायके में गई हुई थी। रात के समय छोटे भाई नान्हक , गणेश और माता लच्ची देवी मौके पर पहुंच कर देखा की लालबहादुर अचेत पड़ा है। एंबुलेंस बुलाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज पर पहुंचे। जहां से चिकित्सकों ने बताया की कीटनाशक सेवन करने के कारण हालत नाजुक है। बेहतर उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां उपचार के दौरान शुक्रवार को दोपहर में लालबहादुर की मृत्यु हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

निकाली गई स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली

मीरजापुर। विकास खंड लालगंज क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय रानीबारी में शुक्रवार को स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली विद्यालय परिषर से प्रारंभ होकर गांव के विभिन्न मुहल्लों से होते हुए वापस पुनः विद्यालय पर समाप्त हुई। इसका मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करना था। रैली में शामिल छात्र–छात्राओं ने शिक्षा के महत्व को दर्शाते हुए प्रेरणादायक नारे लगाए। इनमें खुशबू हो हर फूल में हर बच्चा हो स्कूल में, आधी रोटी खाएंगे रोज स्कूल जायेंगे और हम बच्चों का नारा है शिक्षा का अधिकार हमारा है। जैसे नारे शामिल थे। इन नारों से पूरे गांव में शिक्षा का संदेश गूंज उठा। इस दौरान प्रधानाध्यापक सरोज कमलेश न बताया कि सरकार परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को निशुल्क ड्रेस, पाठ्यपुस्तकें, मध्यान्ह भोजन, दूध फल जैसी कई सुविधाएं प्रदान कर रही है ताकि कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से अपिल किया कि वे अपने बच्चों को रोजाना विद्यालय भेजें।

चार वर्ष पूर्व दम्पति ने कराया था पंजीकरण

चित्रकूट। किशोर न्याय अधिनियम एवं दत्तक ग्रहण विनियम के तहत चित्रकूट की विशेषी.त राजकीय दत्तक ग्रहण इकाई को पहली सफलता मिली है। वर्ष 2022 से पंजीकरण कराकर इंतजार कर रहे दंपत्ति को दस्तावेजों के सत्यापन और आवश्यक पूछताछ के बाद जिलाधिकारी ने बच्ची को सौपा।जनपद में बाल संरक्षण और निराश्रित बच्चों के पुनर्वासन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। किशोर न्याय बालकों की देखरेख और संरक्षण अधिनियम एवं दत्तक ग्रहण विनियम के अंतर्गत जनपद में गठित विशेषी.त राजकीय दत्तक ग्रहण इकाई के माध्यम से पहली बार किसी बच्ची को कानूनी रूप से गोद दिए जाने की विधिक प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। डीएम पुलकित गर्ग के निर्देशन एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रगति गुप्ता के पर्यवेक्षण में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में इस प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया। डीएम ने कलेक्ट्रेट में आए भावी दत्तक माता–पिता से आवश्यक पूछताछ कर सभी विधिक दस्तावेजों का गहन सत्यापन करने के बाद एक आधिकारिक आदेश के तहत बच्ची को उन्हें सौंप दिया। यह बच्ची लगभग पांच–छह महीने पूर्व जनपद में अज्ञात अवस्था में मिली थी। जिसे राजकीय दत्तक ग्रहण इकाई ने अपने संरक्षण में लेकर उचित देखरेख की थी। इसके उपरांत, भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के आधिकारिक कारिंग्स पोर्टल पर बच्ची को नियमानुसार दत्तक ग्रहण के लिए उपलब्ध कराया गया। पोर्टल के माध्यम से देश के एक ऐसे योग्य दंपत्ति ने इस बच्ची का चयन किया जिन्होंने वर्ष 2022 में ऑनलाइन आवेदन किया था और पिछले 4 वर्षों से विधिक प्रक्रिया के तहत अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान विशेषी.त राजकीय दत्तक ग्रहण इकाई के अधीक्षक कमलेश रैक्वार एवं कंप्यूटर ऑपरेटर प्रशांत उपस्थित रहे और प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने में सहयोग किया।

नीट परीक्षा में अनुष्का ने हासिल की एमबीबीएस की सीट

फतेहपुर। देवमई ब्लॉक के तिवारीपुर गांव की बेटी अनुष्का पटेल ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में सफलता हासिल कर एमबीबीएस में सीट प्राप्त की है। दूसरे प्रयास में मिली इस उपलब्धि से परिवार, रिश्तेदारों और ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। शहर की रानी कॉलोनी स्थित उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। अनुष्का तिवारीपुर निवासी राजू पटेल और अंजली पटेल की इकलौती संतान हैं। बचपन से ही मेधावी रही अनुष्का ने हाईस्कूल की शिक्षा सेंट मैरीज स्कूल तथा इंटरमीडिएट जयपुरिया स्कूल से प्राप्त की। डॉक्टर बनने का सपना लेकर उन्होंने पूरे समर्पण के साथ नीट की तैयारी की और दूसरे प्रयास में सफलता अर्जित करते हुए एमबीबीएस में सीट हासिल की। सफलता की सूचना मिलते ही परिजनों ने मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। गांव के लोगों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताते हुए अनुष्का के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शहर स्थित उनके आवास पर दिनभर शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा। इस अवसर पर हरिओम सिंह, निधि सिंह, शालू सिंह सहित अनेक लोगों ने अनुष्का को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अनुष्का ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता, गुरुजनों और अपनी निरंतर मेहनत को देते हुए कहा कि लक्ष्य के प्रति समर्पण और नियमित अभ्यास से हर सपना साकार किया जा सकता है।

खेत से लौटते समय सर्पदंश से गई किसान की जान, अस्पताल में तोड़ा दम

मड़िहान मीरजापुर। मड़िहान तहसील क्षेत्र के पड़रिया खुर्द गांव में शुक्रवार की सुबह विषैले सर्प के डसने से एक किसान की मौत हो गई। खेत से घर लौटते वक्त हुई इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार पड़रिया खुर्द गांव निवासी ऊदल 40 वर्ष शुक्रवार सुबह रोज की भाती खेत पर काम करने गए थे। काम निपटाकर 10 बजे के करीब जब वह घर लौट रहे थे तो रास्ते में अचानक उनका पैर एक विषैले सर्प पर पड़ गया।खतरा भांपते ही सर्प ने उनके पैर में डस लिया। सर्पदंश के बाद घबराए ऊदल किसी तरह दौड़ते हुए घर पहुंचे और परिजनों को आपबीती बताई। यह सुनते ही घर में अफरा–तफरी मच गई। परिजन फौरन उन्हें निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़िहान लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। जहा डॉक्टरों ने जांच के बाद ऊदल को मृत घोषित कर दिया। यह खबर सुनते ही अस्पताल परिसर में चीख–पुकार मच गई। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। परिवार को यकीन ही नहीं हो रहा था कि कुछ देर पहले अपने पैरों पर चलकर खेत गया व्यक्ति अब नहीं रहा। इसी उम्मीद में कि शायद अभी भी जीवन की कोई सांस बाकी हो, परिजन अस्पताल से शव को लेकर झाड़–फूंक कराने चले गए। मृतक ऊदल की दो पुत्रियां हैं। एक बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि दूसरी बेटी अभी अविवाहित है।

पुलिस नें 500 ग्राम अवैध गांजा के साथ शातिर आरोपी को किया गिरफ्तार

मड़िहानध्मीरजापुर। अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है। उक्त निर्देश के अनुक्रम में शुक्रवार को उपनिरीक्षक राम कृपाल यादव मय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के सूचना के आधार पर थाना सन्तनगर क्षेत्रांतर्गत ग्राम घोरी सिरसी मोड़ से 1 आरोपी शिवम यादव पुत्र अलगु यादव निवासी ग्राम बरौहा तुलसीपुर थाना सन्तनगर जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी के पास से 500 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया।

मीरजापुर जनपद को सूखाग्रस्त घोषित करने की उठी मांग, करणी सेना का प्रदर्शन

मीरजापुर। मौसम की बेरुखी को लेकर किसानों की चिंता जहां बढ़ती जा रही है वहीं श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना, मिर्जापुर के जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह गहरवार के नेतृत्व में शुक्रवार को करणी सेना के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मिर्जापुर जनपद को तत्काल सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि मिर्जापुर जनपद में इस वर्ष न्यूनतम बरसात भी नहीं हुई है। बरसात न होने के कारण किसानों की खेती की सिंचाई नहीं हो पा रही है। खेतों में बोई गई फसलें सूखकर बर्बाद हो रही हैं। करणी सेना ने बताया कि बरसात के अभाव में किसानों के सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है। समय से फसल न होने के कारण आम जनता भी प्रभावित हो रही है। ऐसी स्थिति में किसानों को राहत पहुंचाने के लिए जनपद को तत्काल सूखाग्रस्त घोषित करना आवश्यक है। करणी सेना ने शासन से मांग की कि किसानों को राहत पहुंचाने के लिए मिर्जापुर जनपद को तुरंत सूखाग्रस्त घोषित कर विशेष राहत पैकेज दिया जाए।

विधायक ने 1.91 करोड़ की लागत से तीन नई सड़कों का किया शिलान्यास

–पूरा क्षेत्र की सड़क संपर्क व्यवस्था होगी मजबूत, ग्रामीणों ने किया स्वागत

अयोध्या। विकासखंड पूरा क्षेत्र में सड़क संपर्क व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में शुक्रवार को नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने लगभग 1.91 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली तीन सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने विधायक का स्वागत किया और क्षेत्र में लगातार कराए जा रहे विकास कार्यों के लिए उनका आभार जताया। शिलान्यास की गई परियोजनाओं में मड़ना के सेवरा चौरा पक्की सड़क से बलुईया मांझा तक 1.580 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण, दतौली में प्रह्लाद वर्मा के घर से नहर होते हुए पक्की सड़क बरौली–मड़ना संपर्क मार्ग तक 1. 210 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण तथा खानपुर पुरसाएं में राजेन्द्र प्रसाद तिवारी के घर से पकौड़ी हरिजन के घर तक 0. 550 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण शामिल है। इन तीनों परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव–गांव तक बेहतर सड़क सुविधा पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास की आधारशिला होती हैं। बेहतर संपर्क मार्ग बनने से किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम लोगों को सीधा लाभ मिलता है। गन्ना समिति के चेयरमैन दीपेन्द्र सिंह ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक गांव को गुणवत्तापूर्ण सड़क नेटवर्क से जोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल करना है। कार्यक्रम में, तिलकराम मौर्य, हरभजन गौड़, अरविन्द सिंह, मीडिया प्रभारी अमित कुमार मिश्र, राजेश पाठक, मंडल अध्यक्ष कपिल देव वर्मा, वरुण चौधरी, ओम प्रकाश यादव, अच्छे लाल निषाद, राघवेन्द्र पाण्डेय, दीपक सिंह शगब्बरश, मुन्ना दूबे, अभय सिंह बग्घी, प्रदीप सिंह, प्रह्लाद वर्मा, रामजीत निषाद, लोकेश तिवारी, आशीष मणि त्रिपाठी, रमन लाल कोरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आनलाइन पंजीयन प्रारंभ

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ है। विवि द्वारा जारी सूचना के अनुसार पीएचडी, बीएससी ऑनर्स, कृषि तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की एनसीईटी परीक्षा के माध्यम से संचालित चार वर्षीय समेकित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में प्रवेश के लिए ई–समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन जारी है। प्रवेश सूचना के अनुसार अंग्रेजी एवं शिक्षाशास्त्र विषय सहित पीएचडी के विज्ञापित समस्त विषयों में ऑनलाइन पंजीयन की अंतिम तिथि 20 जुलाई निर्धारित की गई है। बीएसी (ऑनर्स) .षि पाठ्यक्रम में प्रवेश मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा आयोजित पीएटी के घोषित परिणामों के आधार पर किया जाएगा। पात्र अभ्यर्थी 25 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। प्रवेश के लिए कटऑफ मेरिट तथा काउंसिलिंग की तिथि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर पृथक रूप से प्रकाशित की जाएगी। इसी प्रकार एनटीए की एनसीईटी परीक्षा के माध्यम से संचालित बीएससी बीएड, बीए बीएड एवं बीकॉम बीएड पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी ऑनलाइन पंजीयन प्रारम्भ है। इन पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 25 जुलाई निर्धारित की गई है। प्रवेश की कटऑफ मेरिट एवं काउंसिलिंग कार्यक्रम विवि वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाएंगे।

दूसरे पड़ाव पर पहुंची भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा

चित्रकूट। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा गाजेबाजे के साथ शुक्रवार को कच्ची छावनी से धुसमैदान होते हुए गोला बाजार, सदर रोड पहुंची। जहां लोगों ने भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर प्रसाद चढ़ाया। महंत रमाशंकर दास ने बताया कि परंपरा अनुसार यह यात्रा लगातार नौ दिन तक चलेगी। यहां दूसरा पड़ाव है।

खेत और सड़क पर दिखने नहीं चाहिए गौवंश : डीएम

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में गोवंश संरक्षण के सम्बनध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी तथा उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी रहे। डीएम ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी गोशालाओं में वर्षा ऋतु के .ष्टिगत कीचड़, जलभराव की समस्या उत्पन्न न होने पाये। इसके लिए पूर्व तैयारियां करा ली जायें तथा 23 जुलाई के पूर्व प्रत्येक दशा में समस्त गोवंशों का संरक्षण कराते हुए गोशालाएं नियमानुसार संचालित कराना सुनिश्चित करेंगे। 24 व 25 जुलाई को समस्त नोडल अधिकारियों द्वारा गोशालाओं का निरीक्षण कर निर्धारित प्रारूप पर आख्या मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को प्रेषित की जायेगी। कमियों को मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी तथा उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी से समन्वय बनाकर सुधार करायेंगे। कहा कि कोई भी गोवंश खेतों अथवा सड़कों पर दिखायी नहीं पड़ने चाहिए। शिकायत मिलने पर सम्बन्धित के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। गोशालाओं में एकत्रित गोबर की खाद की बिक्री कर नियमानुसार प्राप्त धनराशि को गोशाला के खाते में जमा करायी जाये। किसी भी गोवंश की मृत्यु होने पर नियमानुसार समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कर गोशाला में ही दफनाया जाये। समस्त खण्ड विकास अधिकारी तथा मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि कन्ट्रोल रूम से प्रत्येक गोआश्रय स्थल के कैमरे कनेक्ट होने चाहिए, प्रत्येक गोआश्रय स्थल की कड़ी निगरानी की जाये तथा कमी होने पर सम्बन्धित को नोटिस देते हुए व्यवस्थाएं सु.ढ़ करायी जायें।

अतरौली माइनर में विद्युत व्यवस्था कराकर पहुंचाए पानी : उपाध्यक्ष

चित्रकूट। उपाध्यक्ष दिनेश सिंह की अध्यक्षता में सिंचाई बंधु की बैठक नई सिंचाई कॉलोनी स्थित संघ भवन में संपन्न हुई। अधिशासी अभियंता सिंचाई प्रखंड प्रथम एसके प्रसाद ने बताया कि उपाध्यक्ष की सहमति से बैठक का शुभारंभ किया गया। विगत माह में हुई बैठक की कार्यवृत्ति के समस्त बिंदुओं पर चर्चा के उपरांत कार्यवाही प्रारंभ की गई। तहसील अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन ने अधिशासी अभियंता लघु डाल नहर खंड बांदा से कहा कि कसहाई माइनर की सफाई नहीं कराई गई एवं बनवारीपुर माइनर पाट दी गई है। कर्वी रजवाहा की सफाई कराई जाए एवं अवैध कब्जे से नहर कब्जा मुक्त कराया जाए। बनकट नहर की पुलिया क्षतिग्रस्त है। जिसकी मरम्मत भी कराई जाए। उपाध्यक्ष ने अधिशासी अभियंता सिंचाई प्रखंड प्रथम से कहा कि अतरौली माइनर में पानी नहीं पहुंचता है। पानी पहुंचाया जाए। ओरा पंप कैनाल में विद्युत व्यवस्था न होने के कारण बंद पड़ा है। अधिशासी अभियंता लघु डाल नहर खंड बांदा पंप हाउस में विद्युत व्यवस्था कराकर नहर संचालन कराया जाए। अधिशासी अभियंता सिंचाई प्रखंड प्रथम ने सिंचाई बंधु की बैठक की आख्या अनुपालन के संबंध में संबंधित अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक माह की 20 तारीख के अंदर आख्या तैयार कर कार्यालय में उपलब्ध कराया जाए। ताकि उच्चाधिकारियों को संबंधित सूचना आख्या से अवगत कराया जा सके। बैठक में अधिशासी अभियंता सिंचाई प्रखंड प्रथम एसके प्रसाद, अधिशासी अभियंता सिंचाई निर्माण खंड शिवेंद्र कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं समिति के सदस्य मौजूद रहे।.

परेड की सलामी लेकर एसपी ने किया निरीक्षण

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह ने पुलिस लाइन्स में शुक्रवार की साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, तत्पर और अनुशासन बनाए रखने के लिए विभिन्न प्रकार के शारीरिक व्यायाम कराए गए। स्वास्थ्य के लाभ के लिए परेड की दौड़ करायी। परेड में शामिल अधिकारी, कर्मचारियों को अनुशासन, एकरूपता और कर्तव्यनिष्ठा के संबंध में बताया गया तथा ड्रील कराया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा परिवहन शाखा में जाकर थानों से आयी चार–दो पहिया वाहनों, 112 पीआरवी वाहन तथा परिवहन शाखा में रखे वाहनों का निरीक्षण कर प्रभारी परिवहन शाखा को वाहनों की कमियों को दूर करने के लिए निर्देशित किया गया तथा डायल 112 कार्यालय, आवास परिसर, बैरक, सीपीसी कैन्टीन, मंदिर, भोजनालय, ऑर्मरी का निरीक्षण कर आरक्षी, महिला आरक्षियों का अर्दली रुम किया गया। परेड के दौरान प्रतिसार निरीक्षक रामशीष यादव व अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

अटल पार्क कोठी तालाब का डीएम ने किया निरीक्षण

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने शुक्रवार को अटल पार्क कोठी तालाब का स्थलीय निरीक्षण कर पार्क में उपलब्ध जनसुविधाओं, सौंदर्यीकरण, स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

दोनों टीमों के कोचों की रणनीति से तय होगा नतीजा, फीफा विश्व कप के फाइनल मैच को लेकर बोले अमिताभ बच्चन

मुंबई । फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबले डिफेंडिंग चौंपियन अर्जेंटीना और स्पेन के बीच खेला जाना है। इस बीच विश्व कप के खिताबी मुकाबले को लेकर बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन का कहना है कि टूर्नामेंट में बचे सभी खिलाड़ी सुपरस्टार हैं, लेकिन असली विजेता का फैसला कोच की रणनीति और समझदारी से होगा।

अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना के साहसी सब्स्टिट्यूशन (खिलाड़ी बदलने) पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने इस जोखिम भरे, लेकिन निर्णायक कदम की तारीफ करते हुए इसे निडर गेम मैनेजमेंट का सबूत बताया।

बिग बी ने अपने ब्लॉग पर लिखा, जब आप चौंपियनशिप के आखिरी पड़ाव पर पहुंचते हैं और आपस में मुकाबला करने के लिए सिर्फ 4 टीमें बची होती हैं तो भविष्यवाणी करना मुश्किल होता है। भविष्यवाणियां आपके पसंदीदा के प्रति आपके प्यार और लगाव पर आधारित होती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इस स्टेज पर हम 44 खिलाड़ियों की बात कर रहे हैं। सेमीफाइनल से फाइनल तक, हर टीम में 11 खिलाड़ी और मुकाबले के इस स्टेज पर हर खिलाड़ी एक सुपरस्टार है।उन्होंने कहारू आप एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी हैसियत नहीं बदल सकते, लेकिन जरूरत इस बात की है कि उन्हें कैसे मैनेज किया जाए और यहीं कोच या मैनेजर की भूमिका आती है। इसी वजह से रविवार को होने वाला फाइनल स्पेनिश कोच और अर्जेंटीना के कोच के बीच मुकाबला होगा। वे गेम की क्या योजना बनाते हैं, यही तय करेगा कि विजेता कौन होगा। वे योजना बनाएंगे और खिलाड़ियों को उसे अमल में लाना होगा।सिनेमा के इस दिग्गज का कहना है कि एक कोच की योजनाएं साफ तौर पर देखी जा

सकती हैं। उन्होंने कहा, दूसरा कोच उन्हें समझकर उसी हिसाब से अपनी योजना बनाएगा। सबसे दिलचस्प स्थिति, इंग्लैंड बनाम अर्जेंटीना मैच के आखिरी 3 मिनट में अर्जेंटीना के कोच ने एक खिलाड़ी की जगह स्ट्राइकर को उतारा, ताकि हमला किया जा सके बजाय इसके कि डिफेंडर भेजकर ड्रॉ बचाया जाए और फिर ओवरटाइम खेलकर जीत की उम्मीद की जाए।

60 वर्षों में सर्वश्रेष्ठ नतीजा हासिल करने का मौका, ट्यूशेल ने बढ़ाया इंग्लैंड का हौसला

मियामी । फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना के खिलाफ मिली हार के बाद इंग्लैंड के मुख्य कोच थॉमस ट्यूशेल ने अपनी रणनीति का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि मैच के दौरान लिए गए फैसलों पर उन्हें कोई पछतावा नहीं है। टूर्नामेंट में तीसरे स्थान के लिए शनिवार को फ्रांस के खिलाफ होने वाले मैच को लेकर ट्यूशेल ने कहा कि इंग्लैंड के पास 60 वर्षों में सबसे अच्छा नतीजा हासिल करने का मौका है।

ट्यूशेल ने हार की पूरी जिम्मेदारी खुद लेते हुए कहा कि टीम को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने अपनी समझ, अनुभव और सोच के आधार पर फैसले लिए थे। इंग्लैंड को सेमीफाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना के हाथों 1–2 से हार का सामना करना पड़ा। मैच के अंतिम क्षणों में टीम के धीमे खेल को लेकर काफी आलोचना हुई थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्यूशेल ने माना कि उनकी टीम उस समय उतनी आक्रामक नहीं रही, जितना होनी चाहिए थी।

हालांकि, उन्होंने टीम के लिए अपनाए गए श्बैक–फाइक्य डिफेंस सिस्टम का बचाव किया। ट्यूशेल ने कहा कि उन्हें अपने फैसलों पर कोई पछतावा नहीं है, क्योंकि उन्होंने मैच की स्थिति को देखते हुए टीम की मदद करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि अगर वह समय रहते कोई बदलाव नहीं करते या टीम को संभालने की कोशिश नहीं करते तो उन्हें ज्यादा अफसोस होता। कोच के अनुसार, उनका हर फैसला टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचाने और जीत हासिल करने के इरादे से लिया गया था।

ट्यूशेल ने कहा, अगर किसी को जिम्मेदारी लेनी है तो वह मैं हूं, क्योंकि मैं टीम का हेड कोच हूं। उन्होंने यह भी कहा कि वह खिलाड़ियों या किसी अन्य व्यक्ति पर हार का दोष नहीं डालना चाहते। कोच के मुताबिक, इस हार का दर्द सबसे ज्यादा टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ को ही है और यह अनुभव लंबे समय तक उनके साथ रहेगा।

कोच ने शारीरिक थकान को भी अर्जेंटीना के खिलाफ मिली हार की एक बड़ी वजह बताया। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों ने शारीरिक रूप से अपना सब कुछ झोंक दिया। अर्जेंटीना ने एक अलग ही स्तर का खेल दिखाया, उनके पास एक साथ खिताब जीतने का अनुभव है। इस बात ने अहम भूमिका निभाई। ट्यूशेल

ने माना कि इंग्लैंड को अभी दुनिया की शीर्ष टीमों के स्तर तक पहुंचने के लिए काफी मेहनत करनी होगी। शनिवार को फ्रांस के खिलाफ होने वाले तीसरे स्थान के मुकाबले को लेकर ट्यूशेल ने कहा कि यह मैच आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा, इस मैच में कोई भी खिलाड़ी नहीं खेलना चाहता है, लेकिन यह इंग्लैंड के लिए पिछले 60 वर्षों में सबसे अच्छा नतीजा हासिल करने का मौका है। हमें अभी काफी फासला तय करना है। फ्रांस, स्पेन और अर्जेंटीना से जीत की उम्मीद की जाती है।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल से पहले स्पेन को बड़ी राहत, फिट हुए लामिन यामल

न्यूयॉर्क । फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले से पहले स्पेन के लिए राहत भरी खबर आई है। अर्जेंटीन के खिलाफ होने वाले खिताबी मुकाबले के

लिए टीम के युवा स्टार फॉरवर्ड लामिन यामल अब पूरी तरह फिट हैं। इस बात की जानकारी टीम के हेड कोच लुइस डे ला फुएंते ने दी है।19 वर्षीय यामल को फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के बाद लंगड़ाते हुए देखा गया था। उस मुकाबले में स्पेन ने 2–0 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई थी। चोट के कारण यामल गुरुवार को टीम के अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए थे। इससे उनके फाइनल खेलने को लेकर सवाल उठने लगे थे।हालांकि, डे ला फुएंते ने सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि यामल को जोरदार चोट लगी थी, जिससे काफी दर्द हो रहा था। एहतियात के तौर पर उन्हें आराम दिया गया था। कोच ने बताया कि शुक्रवार के अभ्यास सत्र में यामल ने अपने साथियों के साथ पूरी ट्रेनिंग की और अब वह फिट हैं।कोच ने कहा कि शनिवार का अभ्यास सत्र टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा। अगर किसी खिलाड़ी को आखिरी समय में कोई परेशानी होती है तो उसे ठीक होने का मौका नहीं मिलेगा। इसलिए टीम मैनेजमेंट हर खिलाड़ी की फिटनेस पर नजर रख रहा है। स्पेन के लिए यह मुकाबला बेहद खास है। टीम 2010 में विश्व कप जीतने के बाद पहली बार फाइनल में पहुंची है। दूसरी ओर, अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार और कुल मिलाकर चौथी बार विश्व कप का खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। इससे पहले, अर्जेंटीना 1978, 1986 और 2022 में विश्व चौंपियन बन चुका है।डे ला फुएंते का मानना है कि फाइनल में दुनिया की दो बेहतरीन टीमें आमने–सामने होंगी। उन्होंने कहा कि स्पेन और अर्जेंटीना दोनों के पास शानदार खिलाड़ी हैं और दोनों टीमों का रवैया भी काफी हद तक एक जैसा है। कोच के मुताबिक, फाइनल में वही टीम सफल होगी जो अपने खेल और प्रतिभा का बेहतर इस्तेमाल करेगी।फाइनल तक पहुंचने का दोनों टीमों का सफर अलग–अलग रहा है। स्पेन ने पूरे टूर्नामेंट में गेंद पर नियंत्रण रखने वाले खेल और मजबूत डिफेंस के दम पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। टीम बिना कोई मैच हारे और सिर्फ एक गोल खाकर फाइनल तक पहुंची है। वहीं, अर्जेंटीना ने कई मुकाबलों में आखिरी समय में गोल करके जीत हासिल की और मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकलने की क्षमता दिखाई है।डे ला फुएंते ने अर्जेंटीना की इस खूबी की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी टीम कभी हार नहीं मानती। स्कोर में पीछे होने के बाद भी वह शानदार वापसी कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्पेन की टीम भी ऐसी परिस्थितियों से निकलने का अनुभव रखती है। डे ला फुएंते ने अर्जेंटीना के हेड कोच लियोनेल स्कालोनी की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों की सोच, टीम को आगे बढ़ाने का तरीका और फुटबॉल को देखने का नजरिया काफी मिलता–जुलता है। स्पेन के कोच ने माना कि बड़े मुकाबलों में छोटी–छोटी बातें ही जीत और हार का फैसला करती हैं। फाइनल से पहले सबसे ज्यादा चर्चा अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी को रोकने की रणनीति पर भी हो रही है। इस टूर्नामेंट में मेसी ने अर्जेंटीना के 19 गोलों में से 12 में सीधा योगदान दिया है। इसके बावजूद डे ला फुएंते ने साफ कहा कि उनकी टीम मेसी के लिए अलग से श्मैन–टू–मैन मार्किंगय नहीं करेगी।

उन्होंने एक पुराना किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि जब वह सेविला की युवा टीम के कोच थे, तब बार्सिलोना के खिलाफ मैच में मेसी पर एक खिलाड़ी को खास जिम्मेदारी दी गई थी। हालांकि, उस खिलाड़ी के येलो कार्ड मिलने के बाद बदलाव करना पड़ा और इसके कुछ ही मिनटों में मेसी ने चार गोल कर दिए। इसी अनुभव के कारण इस बार स्पेन अलग रणनीति अपनाएगा। कोच ने अंत में युवा स्टार लामिन यामल को सलाह दी कि वह मेसी की नकल करने की कोशिश न करें। उन्होंने कहा कि मेसी दुनिया के महान खिलाड़ियों में से एक हैं, लेकिन यामल को अपनी पहचान के साथ खेलना चाहिए।

पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल महंगा अब रोजाना तय होंगी ईंधन की कीमतें, डीलर्स ने किया विरोध

इस्लामाबाद ,। ईरान–अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल और हाई–स्पीड डीजल (एचएसडी) की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। सरकारी फरमान जारी किया गया है जिसके मुताबिक अब ईंधन की कीमतें रोजाना तय की जाएंगी। इस ऐलान का जमीन पर विरोध भी दिखने लगा है।

सरकार ने पेट्रोल 5.44 पीकेआर (पाकिस्तानी रुपये) प्रति लीटर और डीजल 31.05 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर महंगा किया है। नई दरें शनिवार से लागू हो गईं और ये 20 जुलाई तक प्रभावी रहेंगी। बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 316.15 रुपये प्रति लीटर और हाई–स्पीड डीजल की कीमत 354.35 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

पाकिस्तान के प्रमुख अंग्रेजी दैनिक डॉन ने बताया कि पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने घोषणा की कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार उतार–चढ़ाव और ईरान–अमेरिका तनाव के कारण

अब देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें रोजाना तय की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि वजीर–ए–आजम और केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ऑयल एंड गैस रेगुलेटरी अथॉरिटी (ओजीआरए) को अंतरराष्ट्रीय बाजार के आध ार पर प्रतिदिन ईंधन की कीमतें तय करने की जिम्मेदारी सौंपी है। ओजीआरए अब अपनी वेबसाइट पर कीमतों के साथ–साथ उनके निर्धारण के आध ार भी सार्वजनिक करेगा।

मार्च की शुरुआत से पाकिस्तान सरकार हर सप्ताह ईंधन की कीमतों की समीक्षा कर रही थी। साथ ही, मध्य पूर्व में संघर्ष के चलते संभावित तेल आपूर्ति संकट को देखते हुए ईंधन बचत के उपाय और अप्रैल में लक्षित ईंधन सब्सिडी भी लागू की गई थी।

सरकार फिलहाल पेट्रोल और डीजल पर लगभग 105 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर विभिन्न करों और शुल्कों के रूप में वसूल रही है। इसमें कस्टम ड्यूटी, पेट्रोलियम लेवी, क्लाइमेट सपोर्ट लेवी और इनलैंड फ्रेट इक्वलाइजेशन मार्जिन (आईएफईएम) शामिल हैं।

ऑल पाकिस्तान डीलर्स एसोसिएशन ने ईंधन की कीमतें रोजाना तय करने के फैसले का विरोध किया है। संगठन ने कहा कि वह अगले सप्ताह इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन की रणनीति तैयार करेगा।

पेट्रोल का इस्तेमाल मुख्य रूप से निजी वाहन, मोटरसाइकिल, ऑटो–रिक्शा और छोटे वाहनों में होता है,

इसलिए इसकी कीमत बढ़ने का सीधा असर मध्यम और निम्न–मध्यम वर्ग पर पड़ता है।

रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलों पर विराम, बीसीसीआई सेक्रेटरी ने कहा- लार्ड्स वनडे रोहित का आखिरी मैच नहीं

बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने से कहा, मीडिया में रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स में अपना आखिरी मैच खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा के इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की खबरों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्) ने पूरी तरह विराम लगा दिया है। ठब्ब् सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने साफ तौर पर कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स में होने वाला तीसरा वनडे मैच रोहित शर्मा का आखिरी मैच नहीं होगा। उन्होंने मीडिया में चल रही सभी अटकलों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि रोहित जब तक टीम के लिए उपयोगी हैं, तब तक देश के लिए खेलते रहेंगे। भारतीयनौसेना जानकारी बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने च्ज्प् से कहा, ष्मीडिया में रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स में अपना आखिरी मैच खेलेंगे। रोहित भारतीय वनडे टीम के रेगुलर सदस्य हैं और जब तक वह टीम की योजनाओं

का हिस्सा रहेंगे, तब तक देश का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे। दूसरे शब्दों में कहें तो, लॉर्ड्स वनडे उनका आखिरी मैच नहीं होगा। रोहित की हालिया फॉर्म पर सवाल उठने के बावजूद, बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने अनुभवी ओपनर का समर्थन करते हुए कहा कि सीरीज के आखिरी मैच से पहले उन पर कोई दबाव नहीं है। इसे भी पढ़ेंरू रायपुर में दिल दहला देने वाली घटनारू किराए के मकान में एक ही परिवार के 5 सदस्यों के शव बरामद, आत्महत्या का शककोटक ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, ष्देखिए, मुझे नहीं लगता कि रोहित शर्मा जैसे बड़े खिलाड़ी पर किसी तरह का दबाव हो सकता है। वह इतने अच्छे खिलाड़ी हैं कि उन्हें ऐसा महसूस नहीं होगा। हां, शुरुआती दो मैचों में उन्हें रन नहीं मिले, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इससे कोई फर्क पड़ता है। लेकिन आज भी ऐसा लग रहा था कि शायद वह अच्छी पारी खेलेंगे। पर कोई बात नहीं।रोहित ने रिटायरमेंट के बारे में किसी को नहीं बताया है भौगोलिकसंदर्भक्रिकइन्फो के मुताबिक, रोहित ने ठब्ब्प्, नेशनल सिलेक्टर्स या भारतीय टीम मैनेजमेंट को अपने रिटायरमेंट के बारे में कोई फैसला नहीं बताया है।

सरकार का दावा पीएम-अजय योजना ने बदली लाखों लोगों की जिंदगी, हजारों गांव हुए आदर्श ग्राम

नई दिल्ली ,। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम–अजय) के तहत अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार के अनुसार, यह योजना गरीबी कम करने, आजीविका के अवसर बढ़ाने और बुनियादी ढांचे के विकास के जरिए एससी समुदाय के जीवन स्तर में सुधार ला रही है।सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि सरकार की यह प्रमुख योजना टेक्नोलॉजी आधारित और परिणामोन्मुख (आउटकम ओरिएंटेड) कार्यप्रणाली के जरिए समावेशी विकास को बढ़ावा दे रही है।बयान के अनुसार, पीएम–अजय योजना के आदर्श ग्राम घटक के तहत देश भर के 47,316 गांवों को शामिल किया गया है, जिससे अब तक 47 लाख 59 हजार 399 नागरिकों को लाभ मिला है।मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि योजना के तहत अब तक 46,782 विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जबकि 24,133 विलेज डेवलपमेंट प्लान (वीडीपी) तैयार किए गए हैं।इसके अलावा, 16,759 गांवों को आदर्श ग्राम घोषित किया जा चुका है। इससे अनुसूचित जाति बहुल गांवों में बुनियादी ढांचे, मूलभूत सुविधाओं और जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2026–27 में तीन छात्रावास परियोजनाओं के निर्माण के लिए 22.50 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जिनमें दो छात्रावास छात्राओं के लिए होंगे। इन परियोजनाओं के माध्यम से 750 विद्यार्थियों को आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि पीएम–अजय योजना अनुसूचित जाति समुदाय के सामाजिक और आर्थिक अंतर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह योजना लक्षित हस्तक्षेपों और विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से एससी समुदाय को सशक्त बनाने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने का काम कर रही है।उन्होंने कहा कि यह योजना समुदायों को सशक्त बनाने, जमीनी स्तर की संस्थाओं को मजबूत करने और जनभागीदारी के माध्यम से समावेशी विकास सुनिश्चित करती है।योजना के आदर्श ग्राम घटक के तहत अनुसूचित जाति की अधिक आबादी वाले गांवों का समग्र विकास किया जाता है। इसके लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण और समुदाय की भागीदारी से विकास योजनाएं तैयार की जाती हैं। वहीं, ग्रांट्स–इन–एड घटक के तहत आजीविका सृजन, कौशल विकास और आय बढ़ाने वाली गतिविधियों को सहायता दी जाती है।

जबकि हॉस्टल घटक के तहत अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए छात्रावासों के निर्माण और मरम्मत हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है, ताकि उनकी शिक्षा तक पहुंच बेहतर हो सके।मंत्रालय ने योजना के प्रभावी संचालन के लिए पीएम–अजय पोर्टल और अजय मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से एक मजबूत डिजिटल गवर्नेंस फ्रेमवर्क विकसित किया है।

यह प्लेटफॉर्म विलेज डेवलपमेंट प्लान (वीडीपी) तैयार करने, परियोजनाओं के मूल्यांकन, फंड की निगरानी, लाभार्थियों की मॉनिटरिंग और जियो–टैग्ड रिपोर्टिंग जैसी सभी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन संचालित करता है, जिससे योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और हर स्तर पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित होती है।

इस हफ्ते सोना 2,200 और चांदी करीब 4,900 हुई सस्ती, जानिए नए भाव

नई दिल्ली । सर्राफा बाजार में इस सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट सोना सप्ताहभर में 2,209 प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर 1,41,159 प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इससे पहले इसकी कीमत 1,43,368 प्रति 10 ग्राम थी।इसी तरह, 22 कैरेट सोने का भाव 1,31,325 से घटकर 1,29,302 प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं, 18 कैरेट सोने की कीमत 1,07,526 से घटकर 1,05,869 प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई।इस सप्ताह 24 कैरेट सोने का उच्चतम स्तर 13 जुलाई की सुबह 1,42,289 प्रति 10 ग्राम रहा, जबकि 17 जुलाई की शाम इसका न्यूनतम स्तर 1,41,159 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया।चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली। एक सप्ताह में चांदी 4,917 प्रति किलोग्राम सस्ती होकर 2,20,390 से घटकर 2,15,474 प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। सप्ताह के दौरान चांदी का उच्चतम भाव 15 जुलाई की सुबह 2,20,391 प्रति किलोग्राम और न्यूनतम भाव 17 जुलाई की शाम 2,15,474 प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया।आईबीजेए प्रतिदिन दो बारकृ सुबह और शामकृसोने और चांदी के ताजा भाव जारी करता है, जिनके आधार पर देशभर के सर्राफा बाजार में कीमतों का आकलन किया जाता है।

द इंडिया स्टोरी का ट्रेलर आज होगा जारी, 24 जुलाई, 2026 को आएगी काजल अग्रवाल-श्रेयस तलपड़े की फिल्म?

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की फिल्म द इंडिया स्टोरी काफी समय से चर्चा में हैं। पिछले महीने निर्माताओं ने इसका टीजर और पोस्टर जारी किए थे, जिसने रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने वाले विषय को जनता के सामने लाने का संकेत दिया था। अब फिल्म के ट्रेलर को लेकर बड़ा अपडेट आया है, जिसका इंतजार लोग बेसब्री से कर रहे थे। जी स्टूडियोज और रूद्ढत्र प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज द्वारा निर्मित फिल्म का निर्देशन चेट्टन डीके ने किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता 18 जुलाई को द इंडिया स्टोरी का ट्रेलर रिलीज करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

ट्रेलर दर्शकों को उस संवेदनशील कहानी की एक झलक दिखाएगा, जिसने पोस्टर और प्रचार अभियान के जरिए पहले से काफी चर्चा बटोर ली है। यह सामाजिक रूप से प्रासंगिक कोर्टरूम ड्रामा पर आधारित है।

फिल्म में काजल वकील के किरदार में हैं, जबकि श्रेयस एक लाचार पिता के रूप में बेटी के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रहा है।कीटनाशकों से खेती के भयावह मुद्दे और समाज पर इसके प्रभाव पर प्रकाश डालने और जनता को जागरूक करने के लिए काजल और श्रेयस द इंडिया स्टोरी के जरिए दर्शकों के सामने आ रहे हैं।ये कहानी खाद्य सुरक्षा, जन स्वास्थ्य और जवाबदेही के मुद्दों पर चर्चा शुरू करने का लक्ष्य रखती है, जिसे सागर बी. शिंदे ने लिखा और निर्मित किया है।फिल्म 24 जुलाई, 2026 को हिंदी, तेलुगु और तमिल में दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

मास महाराजा रवि तेजा की फिल्म इरुमुडी का पहला सिंगल इरुमुडी कट्टू रिलीज

मास महाराजा रवि तेजा की बहुप्रतीक्षित भावुक पारिवारिक ड्रामा फिल्म इरुमुडी, जिसका निर्देशन शिव निर्वाणा ने किया है और निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स ने किया है, ने अपने पहले सिंगल इरुमुडी कट्टू की रिलीज के साथ ही अपने संगीत प्रचार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। अय्यप्पा भक्तों के साथ इसके गहरे जुड़ाव, फिल्म की पहली झलक को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया और संगीत निर्देशक जीवी प्रकाश कुमार के उत्कृष्ट संगीत के कारण इस गाने का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था।

इरुमुडी कट्टू एक आध्यात्मिक रूप से उत्थानकारी भक्ति गीत है जो तुरंत ही मन पर अमिट छाप छोड़ता है। जीवी प्रकाश कुमार ने एक शक्तिशाली और आध्यात्मिक रूप से आवेशित रचना प्रस्तुत की है जो भगवान अय्यप्पा से जुड़ी आस्था, अनुशासन और भक्ति को खूबसूरती से दर्शाती है। पारंपरिक सार को समाहित करते हुए, यह गीत शुरू से अंत तक रोंगटे खड़े कर देने वाला अनुभव प्रदान करता है।गीत को और भी गहराई प्रदान करते हुए, निर्देशक शिव निर्वाणा ने कल्याण चक्रवर्ती के साथ मिलकर इसके बोल लिखे हैं। उनके शब्द मंडल दीक्षा लेने के बाद अय्यप्पा भक्त की पवित्र यात्रा का जीवंत चित्रण करते हैं, जिसमें इरुमुडी धारण करने और सबरीमाला की तीर्थयात्रा करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। नायक के दृष्टिकोण से, गीत आध्यात्मिक परिवर्तन, अनुशासन और अय्यप्पा माला धारण करने तथा पवित्र दीक्षा पूर्ण करने के पीछे के सच्चे अर्थ की अनुभूति को दर्शाते हैं। अनंतू की सशक्त आवाज भक्ति की तीव्रता को और भी बढ़ाती है, हर पंक्ति में ईमानदारी और आध्यात्मिक उत्साह भर देती है।

रवि तेजा ने अपने सबसे प्रामाणिक और भावपूर्ण प्रदर्शनों में से एक दिया है, जिसमें उन्होंने पवित्र माला धारण करते हुए अय्यप्पा भक्त की भक्ति, ऊर्जा और दृढ़ विश्वास को पूरी तरह से साकार किया है। उनकी समर्पित उपस्थिति दृश्यों को गीत जितना ही प्रभावशाली बनाती है। कोरियोग्राफर बाबा भास्कर ने पारंपरिक नृत्यों के साथ इस अनुभव को और भी बेहतर बनाया है, जो गीत की भक्तिमय लय और भावनात्मक तीव्रता को बखूबी पूरक करते हैं।इस गीत में प्रिया भवानी शंकर और बेबी नक्षत्रा की मार्मिक झलकियाँ भी दिखाई देती हैं, जो फिल्म में रवि तेजा की पत्नी और बेटी की भूमिका निभा रही हैं, जिससे आध्यात्मिक यात्रा में भावनात्मक गर्माहट का संचार होता है। कुल मिलाकर, इरुमुडी कट्टू एक भावपूर्ण भक्तिमय अनुभव है जो तुरंत एक आध्यात्मिक जुड़ाव पैदा करता है, और इरुमुडी द्वारा पेश की जाने वाली भावपूर्ण यात्रा की नींव रखता है।

साई कुमार, अजय घोष, रमेश इंदिरा और स्वासिका महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आते हैं।मिथ्री मूवी मेकर्स के भव्य समर्थन और नवीन येरनेनी एवं वाई. रवि शंकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तकनीकी प्रतिभा का बेहतरीन संगम देखने को मिलता है। विष्णु शर्मा छायांकन का जिम्मा संभालते हैं, साही सुरेश प्रोडक्शन डिजाइनर हैं, प्रवीण पुडी संपादन का काम देखते हैं, वहीं जीवी प्रकाश कुमार ने अपने संगीत के जरिए फिल्म की सबसे बड़ी खूबियों में से एक को जन्म दिया है।

जेलर 2 की रिलीज डेट का एलान, बाक्स आफिस पर चिरंजीवी की विश्वंभरा से क्लैश होगी रजनीकांत की फिल्म

जेलर 2 सुपरस्टार रजनीकांत की आने वाली फिल्म है. जेलर को नेल्सन दिलीप कुमार ने डायरेक्ट किया था और सन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया था. जेलर 2 इसी फिल्म का सीक्वल है. एक साल से ज्यादा समय से फिल्म की शूटिंग चल रही है, और इस बात की चर्चा बढ़ रही है कि फिल्म रिलीज के लिए तैयार है. इस बीच, फिल्म मेकर्स ने एक बड़ा अपडेट जारी किया है.मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने रजनीकांत के फैंस को बताया कि सरप्राइज मिलने वाला है. इस पोस्ट को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, टाइगर शिकार पर वापस आ गया है. इस पोस्ट ने फैंस की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया.

मेकर्स ने जेलर 2 की रिलीज डेट का एलान किया. मेकर्स ने एक दमदार वीडियो शेयर किया और फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा हटाया. वीडियो पोस्ट करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, मेरा मूल सिद्धांत. जेलर 2 15 अक्टूबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी.जेलर 2 दशहरा पर सोलो रिलीज नहीं होगी. सुपरस्टार रजनीकांत की इस फिल्म की टक्कर सीधे चिरंजीवी की बहुप्रतीक्षित फैंटेसी फिल्म विश्वंभरा से होगी. जेलर 2 15 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला के मुताबिक, चिरंजीवी की विश्वंभरा जेलर 2 की रिलीज से ठीक एक दिन बाद यानी 16 अक्टूबर 2026 को बॉक्स ऑफिस दस्तक देगी.

बता दें जेलर 2 की शूटिंग पहले ही खत्म हो चुकी है. अप्रैल 2026 को मेकर्स ने सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की थी और फैंस को बताया कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है. नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी इस सीक्वल से उम्मीद है कि इसमें भी वही स्टाइल, मास अपील और जबरदस्त कहानी का मेल देखने को मिलेगा, जिसने पहले भी दर्शकों का दिल जीत लिया था. संगीत की जिम्मेदारी एक बार फिर अनिरुद्ध रविचंदर ने संभाली है, जिनका साउंडट्रैक पहली फिल्म में धमाल मचा दिया था.नेल्सन दिलीप कुमार इस सीक्वल को डायरेक्ट कर रहे हैं. यह सीक्वल ओरिजिनल जेलर की सफलता के बाद आ रहा है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन किया था.

अनिरुद्ध, जिनके म्यूजिक ने पहले पार्ट को ब्लॉकबस्टर बनाने में अहम भूमिका निभाई थी, वे दूसरे पार्ट के लिए भी म्यूजिक दे रहे हैं.।

खुशाली कुमार ने दुल्हनिया ले आएगी को बताया अपने करियर का खास किरदार, निर्देशक बोले- हटकर अंदाज में होगी दुल्हन

अभिनेत्री खुशाली कुमार अपनी आने वाली फिल्म दुल्हनिया ले आएगी को लेकर काफी चर्चा में है। फिल्म के फर्स्ट लुक से उन्होंने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस कड़ी में उन्होंने अपने लुक और किरदार के बारे में विस्तार से बताया। खुशाली कुमार ने कहा, जैसे ही मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी, मुझे लगा कि यह किरदार मेरे लिए ही बना है। मेरा किरदार कोई साधारण दुल्हन नहीं है, बल्कि उसका व्यक्तित्व बहुत मजबूत है। वह अपने फैसले खुद लेती है, अपने दिल की बात खुलकर कहती है और किसी भी बात को छुपाकर नहीं रखती। यह किरदार बहादुर भी है, भावनात्मक भी है और अपने अंदाज में जीने वाली है, और यही बात मुझे इस फिल्म की तरफ खींच लाई। उन्होंने कहा, फिल्म का जो फर्स्ट लुक सामने आया है, वह सिर्फ शुरुआत है और असली कहानी इससे कहीं ज्यादा दिलचस्प है। मेरे किरदार में कई परतें हैं, जिन्हें दर्शक फिल्म के साथ धीरे–धीरे समझ पाएंगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस दुल्हन के अलग और अनोखे अंदाज को जरूर पसंद करेंगे।

वहीं फिल्म के निर्देशक आकाशदित्य लामा ने भी इस फिल्म को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, दुल्हनिया ले आएगी एक ऐसी कहानी है जो परिवार, रिश्तों और उनके बीच की उलझनों को मजेदार अंदाज में दिखाती है। आज के समय में रिश्तों की जटिलताएं बढ़ गई हैं, और इस फिल्म में उन्हीं भावनाओं को एक मनोरंजक रूप में पेश किया गया है।निर्देशक ने कहा, फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसका मुख्य किरदार है, यानी दुल्हन। यह दुल्हन पारंपरिक सोच से बिल्कुल अलग है। उसमें आत्मविश्वास है, थोड़ी शरारत है और वह कई बार दर्शकों को चौंका भी देती है। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को जोडने की क्षमता रखती है क्योंकि इसमें हंसी, भावनाएं और परिवार का मेल है।

फिल्म के पहले पोस्टर की बात करें तो उसमें खुशाली कुमार दुल्हन के अवतार में नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्राइडल लहंगा पहना हुआ है, लेकिन उसके साथ सनग्लासेस लगाए हुए हैं। यह कॉम्बिनेशन ही फिल्म के किरदार की खासियत को दर्शाता है कि यह दुल्हन साधारण नहीं है, बल्कि अपने अंदाज में जीने वाली लड़की है।

धमाल 4 के आगे लेनिन का भी वर्ल्डवाइड बजा डंका, अखिल अक्किनेनी के करियर का बना इतना बड़ा रिकार्ड

अखिल अक्किनेनी की लेटेस्ट तेलुगु रिलीज, लेनिन को दर्शकों से खूब प्यार मिल रहा है और इसकी पहले वीक की परफॉर्मेंस काफी शानदार है. इस फिल्म से अखिल ने तीन साल के ब्रेक के बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है. गौरतलब है कि उनकी पिछली फिल्म एजेंट साल 2023 में आई थी और ये बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई थी.

फिर फिल्म रिलीज होने के कुछ ही टाइम बाद, एक्टर को चोट भी लग गई थी, जिससे उबरने में उन्हें काफी समय लगा. इसलिए, अभिनेता को अपनी अगली फिल्म लाने में 3 साल लग गए. लंबे ब्रेक के बावजूद अखिल ने बड़े पर्जे पर धमाकेदार कमबैक किया है. इस फिल्म से उन्होंने वर्ल्डवाइड एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है.अखिल अक्किनेनी की लेटेस्ट तेलुगु रिलीज, लेनिन को दर्शकों से खूब प्यार मिल रहा है और इसकी पहले वीक की परफॉर्मेंस काफी शानदार है. इस फिल्म से अखिल ने तीन साल के ब्रेक के बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है. गौरतलब है कि उनकी पिछली फिल्म एजेंट साल 2023 में आई थी और ये बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई थी.

फिर फिल्म रिलीज होने के कुछ ही टाइम बाद, एक्टर को चोट भी लग गई थी, जिससे उबरने में उन्हें काफी समय लगा. इसलिए, अभिनेता को अपनी अगली फिल्म लाने में 3 साल लग गए. लंबे ब्रेक के बावजूद अखिल ने बड़े पर्जे पर धमाकेदार कमबैक किया है. इस फिल्म से उन्होंने वर्ल्डवाइड एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है.तेलुगु कमर्शियल ड्रामा लेनिन ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर एक हफ्ता पूरा कर लिया है. पहले वीक के एंड तक, फिल्म ने दुनिया भर में 50 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है. अखिल अक्किनेनी के 11 साल के करियर में यह पहली बार है जब उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है. इसलिए, यह उनकी सबसे तेजी से 50 करोड़ कमाने वाली फिल्म भी बन गई है.

मुरली किशोर अब्बुरु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अखिल अक्किनेनी के साथ भाग्यश्री बोर्से मुख्य भूमिका में हैं. यह अभिनेत्री की अब तक की सबसे बड़ी बॉक्स ऑफिस हिट फिल्म है.ये फिल्म रायलसीमा के बैकग्राउंड पर बेस्ड है और एक दमदार मुख्य किरदार की कहानी है,

दूरी से बढ़ती है प्यार की अहमियत, लेकिन साथ ही बढ़ सकता है शक भी शहनाज गिल

अपनी मासूमियत और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल इन दिनों अपनी आने वाली पंजाबी फिल्म इश्कनामा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले शहनाज ने प्यार और रिश्तों को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा कि जब दो लोगों के बीच दूरी आती है, तो कई बार प्यार की अहमियत बढ़ जाती है और सामने वाले की मौजूदगी ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन दूरी के साथ ही रिश्तों में कुछ सवाल और शक भी पैदा हो सकते हैं। उन्होंने कहा, जब दूरी होती है, तो प्यार की वैल्यू बढ़ जाती है। दूरी दिलों को और करीब ला देती है। इंसान को सामने वाले की अहमियत ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन हांज् आपको यह नहीं पता होता कि दूसरा इंसान आपके पीछे क्या कर रहा है। इसलिए शक भी बढ़ सकता है। शहनाज ने आगे कहा, रिश्तों में प्यार और भरोसा सबसे ज्यादा जरूरी होता है। दूरी कई बार रिश्ते की गहराई को समझने का मौका देती है, लेकिन साथ ही यह भरोसे की परीक्षा भी बन सकती है।फिल्म इश्कनामा एक सच्ची कहानी पर आधारित है, जो असल जिंदगी के प्रेमी जोड़े निम्मा और नसीमा की कहानी को दिखाती है। फिल्म की कहानी साल 1981 से 1988 के बीच भारत–पाकिस्तान सीमा के आसपास की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है।शहनाज ने कहा कि प्यार का तरीका समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उसकी भावना हमेशा वही रहती है।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि चाहे प्यार का कोई भी तरह हो, लेकिन अगर उसमें सच्चा प्रेम है, तो वह जिंदगी भर साथ रहता है। प्यार आज का हो या पुराने समय का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्यार को किसी एक दौर या तरीके से नहीं बांधा जा सकता।बता दें कि इश्कनामा का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण सौरभ राणा और रवनीत कौर चहल ने किया है। यह फिल्म किताब हिंद पाक बॉर्डरनामा से प्रेरित कहानी पर आधारित है। फिल्म में जय रंधावा, शहनाज गिल और सौरभ सचदेवा के साथ कई अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार बी प्राक ने तैयार किया है, जबकि इसके गीतों के बोल जानी ने लिखे हैं। इश्कनामा भारत के साथ–साथ कनाडा और ब्रिटेन में 24 जुलाई को रिलीज होगी।

धमाल 4 का धमाकेदार प्रदर्शन 7वें दिन भी रहा जारी, अब 100 करोड़ी बनने को तैयार, अल्फा और वेलकम टू द जंगल का बुरा हाल

अजय देवगन की फिल्म धमाल 4 बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के 7 दिन पूरे कर चुकी है। वीकेंड पर धमाकेदार प्रदर्शन करने के बाद, ये कारोबारी दिनों में भी ताबड़तोड़ कारोबार कर रही है और निर्माताओं की झोली को भरने में कोई कसर नहीं छोड़ रही। फिल्म भारत में अपनी कमाई से 100 करोड़ के क्लब में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं विश्व स्तर पर इसने 132 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई कर दिखाई है।सैकनिल्क के मुताबिक, इसने रिलीज के 7वें दिन 6 करोड़ रुपये का नेट कारोबार किया है।इससे पहले, फिल्म ने 6वें दिन 6.75 करोड़, 5वें दिन 9.50 करोड़ और चौथे दिन 8.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।इस तरह धमाल 4 ने अब तक कुल 96 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर लिया और ये 100 करोड़ी बनने से बस एक कदम दूर है।फिल्म में रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी जैसे कलाकार भी मौजूद हैं।आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म अल्फा दूसरे ही सप्ताह में सबसे बुरे दौर से गुजर रही है।इसने 14वें दिन भी 60 लाख रुपये कमाए और बॉक्स ऑफिस पर अब तक कुल 56.40 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर पाई है।बॉबी देओल और अनिल कपूर जैसे कलाकार होने के बावजूद फिल्म दर्शकों को लुभाने में नाकामयाब रही।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।